दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 333 | ग्वालियर, बुधवार 13 जनवरी 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ, सकारात्मक रूप से चलाए कलमः एसपी अमित सांघी

पुष्पांजली टुडे का नव वर्ष मिलन समारोह सम्पन्न

(अर्पित गुप्ता)

ग्वालियर। पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है व समाज मे पत्रकारो को अलग ही भूमिका है यह बात ग्वालियर पुलिस अधीक्षक अमित सांघी ने ग्वालियर शहर के इंद्रप्रस्थ गार्डन में आयोजित पुष्पांजली टुडे समूह द्वारा आयोजित नव वर्ष मिलन समारोह व पत्रकार सम्मान समारोह के दौरान कही।इन दौरान कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में ग्वालियर पुलिस अधीक्षक अमित सांघी उपस्थित रहे तो वहां विशिष्ट अतिथि के रूप में समूह संरक्षक बहादुर सिंह चौहान,समूह सम्पादक भरत सिंह चौहान,समूह उपसम्पादक अर्पित गुप्ता,फाउंडेशन राष्ट्रीय अध्यक्ष छोटेसिंह भदौरिया,उपसम्पादक मप्र पुष्पेंद्र तोमर,संदीप प्रधान,चम्बल सम्भाग ब्यूरो केशव प्रसाद शर्मा, समाजसेवी एस के राजावत,मुख्यवक्ता के रूप में वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार जोशी कानूनी सलाहकार मौजूद रहे तो वहीं सम्पूर्ण कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक प्रतिनिधि उत्तम सिंह राजावत ने की।कार्यक्रम में सर्वप्रथम अतिथियो के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर तिलक कर पुष्प अर्पित किये व दिप प्रज्वलित किये गए।तदोपरांत कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए संगठन के पदाधिकारियों द्वारा उपस्थित अतिथियों का क्रमबध्य स्वागत किया गया।इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में मौजूद ग्वालियर पुलिस अधीक्षक अमित सांघी ने सर्वप्रथम सभी को नववर्ष की बधाई दी तदोपरांत उन्होंने कहा कि आज समाज मे पत्रकारो की बहुत ही अहभ भूमिका मानी जाती है।पत्रकारो लोकतन्त्र का चौथा स्तम्भ माना जाता है इसलिए आप सभी अपनी कलम सकारात्मक रूप से चलाएं।उन्होंने कहा कि पत्रकार की पत्रकारिता लोगों की सोच को भी परिवर्तित करती है।उन्होंने कहा कि कहा कि पत्रकारिता समाज को दिशा देने का काम करती है।इसके कारण इसकी भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।उन्होंने सक्रिय व सकारात्मक पत्रिकारिता पर बल दिया उन्होंने कहा कि मुझे अपनी नौकरी में सकारात्मक पत्रकारिता देखने को मिली जिस दौरान पत्रकारों का भी भरपूर सहयोग मिला।पुलिस व पत्रकारों की कार्यशैली में काफी कुछ समानता भी है पुलिस पर कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी है तथा पत्रकारों पर लोगों तक हकीकत पहुंचाने की,पुलिस महकमा हर समय पत्रकारों की सुरक्षा व समस्याओं के समाधान के लिए मौजूद है।इसी के साथ उन्होंने पुष्पांजली टुडे समूह को बधाई देते हुए कहा कि मुझे बड़ी खुशी है कि आपकी टीम बहुत ही सकारात्मक पत्रकारिता कर रही है।पुष्पांजली टुडे टीम के लिए उन्होंने कहा कि आपके पास युवाओं की एक बेहतर टीम है जिससे कि आप एक अलग ही मुकाम हासिल कर सकते हैं उन्होंने कहा कि अगर सभी मन लगाकर मेहनत करते रहेंगे तो वह दिन दूर नहीं जब सफलता हमारे कदम चूमेगी इसी के साथ उन्होंने पुष्पांजली टुडे के सभी पदाधिकारियों को बधाई दी।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विधायक प्रतिनिधि उत्तम सिंह राजावत ने कहा कि मीडिया समाज को अनेक प्रकार से नेतृत्व प्रदान करता है।इससे समाज की विचारधारा प्रभावित होती है।मीडिया को प्रेरक की भूमिका में भी उपस्थित होना चाहिये जिससे समाज एवं सरकारों को प्रेरणा व मार्गदर्शन प्राप्त हो।मीडिया समाज के विभिन्न वर्गों के हितों का रक्षक भी होता है।वह समाज की नीति,परंपराओं,मान्यताओं तथा सभ्यता एवं संस्कृति के प्रहरी के रूप में भी भूमिका निभाता है।पूरे विश्व में घटित विभिन्न घटनाओं की जानकारी समाज के विभिन्न वर्गों को मीडिया के माध्यम से ही मिलती है।अत~उसे सूचनाएँ निष्पक्ष रूप से सही परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करनी चाहिये।समिति संरक्षक बहादुर सिंह चौहान ने कहा कि लोकतंत्र में पत्रकार और पत्रकारिता दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है,पत्रकार और पत्रकारिता लोकतंत्र से जुड़ी विधायिका कार्यपालिका और न्यायपालिका को निरंकुश होने से बचाती है पत्रकार और पत्रकारिता समाज और सरकार के बीच एक ऐसा दोहरा आइना माना जाता है जिसमें सरकार और समाज दोनों अपना अपना स्वरूप देखकर उसमें सुधार कर सकते हैं।पत्रकार और पत्रकारिता दोनों निंदक और प्रसंशक दोनों भूमिकाएं एक साथ निभाकर समाज और सरकार दोनों को सजग एवं जागरूक करती है।समूह सम्पादक भरत सिंह चौहान ने कहा कि पत्रकार और पत्रकारिता को समाज के दबे कुचले बेजुबान लोगों की जुबान माना जाता है और अन्याय उत्पीड़न के विरुद्ध आवाज बुलंद करने का एक सशक्त माध्यम माना गया है,पत्रकारिता और पत्रकार का इतिहास बहुत पुराना और सभी युगों में रहा है तथा नारद जी को आदि पत्रकार भी कहा जाता है,पत्रकारिता व्यवसाय नहीं बल्कि एक समाजसेवा और ईश्वरीय कार्य करने का सशक्त माध्यम मानी गयी है पत्रकार और पत्रकारिता समाज और सरकार की तस्वीर प्रस्तुत करके वास्तविकता से परिचय कराती है।वरिष्ठ पत्रकार शैलेश सिंह कुशवाह ने कहा कि पत्रकारिता के हर क्षेत्र में पत्रकार की भूमिका निभाना आजकल दुश्वार हो रहा है क्योंकि पत्रकारिता के हर क्षेत्र में समाजद्रोही अराजकतत्व भ्रष्ट सभी पत्रकारों को अपना दुश्मन मानने लगे हैं क्योंकि हर क्षेत्र में पत्रकारिता लोकतंत्र की प्रहरी बनी हुयी है।पत्रकारिता की फील्ड में आने से पहले हमें पत्रकारिता के मायने समझने होंगे हमें रिपोर्टिंग की बारीकियां जाननी चाहिए पत्रकारिता हमेशा प्रभावशाली व जिम्मेदारी युक्त होनी चाहिए,उन्होंने कहा कि गुटों में बंटकर हम अपनी ताकत बांट रहे हैं जो भविष्य में हमारे लिए घातक साबित हो सकती है।फाउंडेशन राष्ट्रीय अध्यक्ष छोटे सिंह भदौरिया ने कहा कि आजकल पत्रकारिता पत्रकार के विवेक पर नही बल्कि सम्पादक की इच्छा पर तथा सम्पादक की इच्छा सरकार की इच्छा पर आधरित होती जा रही है इस समय कुछ लोग पत्रकारों की बुद्धि का अपने हित में दोहन करने लगे हैं,साथ ही उन्होंने कहा कि पत्रकारों को एकत्रित करने के लिए जो यह प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ बनाया गया है उनके कार्य काबिले तारीफ है और संगठन में शक्ति होती है इसलिए संगठित बने रहिये।विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद समूह उपसम्पादक अर्पित गुप्ता ने कहा कि आज पत्रकारिता कहीं न कहीं से बदनाम हो रही है।ये केवल इस कारण है कि पत्रकारिता में गैर पत्रकार खुद का भेष भूषा बदल कर आ गये है।उनको न खबर की गहराई से मतलब होता है और न खबर से।वह केवल अपने मतलब से पत्रकारिता कर रहे है।ऐसे लोगो के कारण पूरा पत्रकार समाज बदनाम होता जा रहा है।वैसे तो इसकी रोकथाम का कोई पुख्ता रास्ता नही है मगर एक प्रयोग के तौर पर ऐसे लोगो का बहिष्कार करके देखा जा सकता है।उन्होंने कहा कि आज निष्पक्ष पत्रकारिता के चलते पत्रकार की जान पर बन आती है तब सभी साथ छोड़कर चले जाते हैं इसके बावजूद हमारे तमाम पत्रकार साथी अपने कर्तव्यों की इतिश्री यथावत करते आ रहे हैं यह बात अलग है कि इस कर्तव्य पालन में जरा सी चूक होने पर जान चली जाती है।इधर पत्रकारों पर जानलेवा हमलों का दौर शुरू हो गया है जो सरकार के लिए शर्म की बात है।आये दिन पत्रकारो की निर्मम हत्या से एक बार फिर पत्रकारिता पर काले बादल मंडराने लगे हैं और पत्रकारों का आक्रोश सातवें आसमान पर पहुंच गया है,वहीं सरकार पत्रकारों की हो रही हत्याओं से जरा भी चिंतित नही लगती है वरना् हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए प्रदेश भर में पत्रकारों के आंदोलन करने की नौबत नही आती।मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद कानूनी सलाहकार आर के जोशी ने कहा कि पत्रकारों को चौथा स्तंभ कहने मात्र से उनकी स्थिति मे सुधार नही आने वाला है लोकतंत्र के और तीनो स्तंभो की तुलना मे चौथे स्तंभ के साथ सौतेला व्यवहार कोई नई बात नही है,लोकतंत्र के तीन स्तंभ विधायिका,न्यायपालिका कार्यपालिका मे भ्रष्ट होने पर इन्हें अगर किसी का डर है तो वह पत्रकार और पत्रकारिता से होता है यहीं कारण है कि पत्रकार के हित की सिर्फ बात की जाती है उसे अमलीजामा नहीं पहनाया जाता है,धीरे धीरे पत्रकार को जरखरीद गुलाम बनाने की परम्परा की शुरुआत हो गयी है जिससे पत्रकारिता खतरे में पड़कर बदनाम होने लगी है।इसी क्रम में मप्र उपसम्पादक पुष्पेंद्र सिंह तोमर व सन्दीप प्रधान ने भी उपस्तिथ लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार एक ही आवाज पर हमने इतने पत्रकार एकत्रित कर लिए यह इस बात का प्रमाण है कि हम जल्द ही पत्रकारो की एक बड़ी टीम बांकी के सभी राज्यों में स्थापित करेंगे और एक अलग ही मुकाम हांसिल करेंगे।चम्बल सम्भाग ब्यूरो केशव प्रसाद शर्मा कहा कि पत्रकारो का आज कल रोजाना शिकार हो रहा है हर जगह पत्रकार की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है चाहे वो तहसील स्तर का पत्रकार हो या जिला स्तर का और इन हालात में न तो सरकार पत्रकार का साथ देती है और न ही कोई राजनैतिक दल,अगर साथ देते हैं तो वो है सिर्फ पत्रकार साथी इसलिए हमे संगठित होने की आवश्यकता है।इसी तारम्भ में कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए मुख्यातिथि, वरिष्ठ अतिथि व मंचासीन पदाधिकारियो के द्वारा मौजूद सभी पत्रकारो का प्रमाणपत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया था मुख्यातिथि सहित सभी अतिथियों का भी स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया तदोपरांत कार्यक्रम में मौजूद पत्रकारो का भी सम्मान किया गया।कार्यक्रम के अंत मे आभार व्यक्त फाउंडेशन राष्ट्रीय अध्यक्ष छोटे सिंह भदौरिया के द्वारा किया गया।

पुष्पांजली जनकल्याण फाउंडेशन में पदाधिकारियो को मिली जिम्मेदारी

नववर्ष मिलन समारोह व पत्रकार सम्मान समारोह के दौरान के पुष्पांजली जनकल्याण फाउंडेशन में नए पदाधिकारियो को जिम्मेदारी सौंपी गई जिसमें अर्पित गुप्ता को राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष बनाया गया व गौरव शर्मा को युवा प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।दोनों पदाधिकारियो को नई जिम्मेदारी मिलने पर संस्था के सभी पदाधिकारीगणों व मौजूदा सभी पत्रकार बन्धुओ ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की है।इस दौरान नवनियुक्त राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष अर्पित गुप्ता ने राष्ट्र में इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिलने पर उन्होंने वरिष्ठ नेतृत्व,शुभचिंतको व मित्रो का आभार व्यक्त किया है उन्होंने कहा कि संगठन ने भरोसा जताते हुए उन्हें इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है जिसे वह बखूबी निभाएंगे और जल्द ही सम्पूर्ण भारत मे पुष्पाजंली टुडे जनकल्याण फाऊंडेशन की टीम की नियुक्ति करेंगे जिससे संगठन को मजबूती मिल सके।

समूह में बेहतर कार्य के लिए यह हुए सम्मानित

पुष्पांजली टुडे समूह द्वारा बेहतर कार्य के लिए न्यूज एंकर रश्मि चौहान,मोहिनी आर्य,पूनम श्रीवास्तवा, दीक्षा तोमर, लक्ष्मी नारायण, सुधांशु मुदगिल, जगदीश संतोष शर्मा, वासुदेव मिश्रा, कमल किशोर, शिवकांत ओझा, विवेक सिंह चौहान, श्यामू ठाकुर, हेमंत सिंह भदोरिया, रिंकू दंडोतिया, शिवम भदोरिया, संतोष सिंह भदोरिया, राहुल सिंह कुशवाह, जय बाथम, अखिलेश सिंह, अंकित कुमार, रूप सिंह, अभिषेक दीक्षित, महेंद्र शर्मा मोहन मांझी, राशि सिंह, राधा तोमर, रेखा त्रिपाठी, निर्मला शाक्य, राजेश लोधी, अनिल पाराशर, अरुण शुक्ला, पंकज त्रिपाठी, राहुल मिश्रा, रवीना शर्मा, मयंक खत्री, हरिओम परिहार, राज कुमार, दीपक कुमार, रविंद्र सिंह, राहुल कुमार, बृजेश भदोरिया, सुनील उदैनिया, अमित शर्मा, हरिशंकर शर्मा, दिलीप पटेल, विपिन तोमर, बृजपाल, किरन राठौर, रूप सिंह, हरीनिवास दुबे, हरिओम चतुर्वेदी, अरिमर्दन भदोरिया, संजीव शर्मा के साथ पधारे हुए मप्र, उप्र के साथ छग की टीम को भी सम्मानित किया गया।

बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल

कोरोना पॉजिटिव, थाईलैंड में हुई क्वारनटीन

> योनेक्स थाईलैंड ओपन (12 से 17 जनवरी) और टोयोटा थाईलैंड ओपन (19 से 24 जनवरी) के अलावा एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ (विश्व बैडमिंटन संघ) विश्व टूर फाइनल्स (27 से 31 जनवरी) का हिस्सा नहीं होंगे. इन तीनों टूर्नामेंटों के साथ कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित 2020 का सत्र खत्म होगा. थाईलैंड में कोविड-19 के मामले बढ़ने के बाद चीन ने इससे हटने का फैसला किया तो वही विश्व नंबर एक खिलाड़ी केंतो मोमोता के कोरोना जांच में पॉजिटिव आने के बाद जापान आखिरी समय में टूर्नामेंट से हट गया.

नई दिल्ली। बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल कोरोना वायरस पॉजिटिव पाई गई हैं. साइना बैडमिंटन टूर्नामेंट खेलने के लिए थाईलैंड में हैं, जहां अब उन्हें अस्पताल में ही क्वारनटीन कर दिया गया है. कोरोना पॉजिटिव होने के बाद यह साइना नेहवाल के लिए बड़ा झटका साबित हुआ है, क्योंकि 12 से 17 जनवरी के बीच योनेक्स थाईलैंड ओपन खेला जाएगा. इसके बाद 19 से 24 जनवरी के बीच टोयोटा थाईलैंड ओपन और 27 से 31 जनवरी के बीच बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स खेला जाएगा. साइना नेहवाल ने कहा, मुझे अभी भी कल से कोरोना टेस्ट की रिपोर्ट नहीं मिली है, यह बहुत भ्रामक है और आज मैच के लिए वार्म अप से पहले वे मुझे बैंकॉक के अस्पताल में भर्ती होने के लिए कहते हैं. यह कहते हुए कि मैं कोरोना पॉजिटिव हूं. कोरोना वायरस महामारी के कारण लगभग 10 महीनों तक अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर प्रभावित होने के बाद भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल मंगलवार से शुरू

होने वाले थाईलैंड ओपर सुपर 1000 टूर्नामेंट से प्रतिस्पर्धी मुकाबले में वापसी करने वाली थीं. सिंधु अक्टूबर से ही इंग्लैंड में ट्रेनिंग कर रही थीं. उधर, साइना नेहवाल ने कहा, मुझे अब तक कोविड टेस्ट की रिपोर्ट नहीं मिली है. यह बहुत भ्रामक है... और आज मैच के लिए वॉर्मअप से ठीक पहले मुझे ये कहते हुए बैंकॉक में अस्पताल पहुंचने के लिए कहा गया कि मैं पॉजिटिव हूं. नियम के अनुसार तो रिपोर्ट 5 घंटे में आनी चाहिए...इससे पहले बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल बैंकॉक में होने वाले इन टूर्नामेंटों से पहले लगाए गए प्रतिबंधों पर खुश नही थीं. साइना ने कोविड-19 प्रोटोकॉल के तहत लगाए गए प्रतिबंधों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कई ट्वीट किए थे. 30 साल की इस शटलर के कोरोना पॉजिटिव होने के बाद अब वह शायद ही इन टूर्नामेंट्स में हिस्सा ले पाएंगी. साइना ने ट्रेनर और फिजियो से मिलने की इजाजत नहीं देने पर विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की आलोचना की थी. साइना ने साथ ही कहा कि खिलाड़ियों को पहले ही इससे अवगत करा देना चाहिए था कि उन्हें थाईलैंड में उनके स्पोर्ट स्टाफ से मिलने नहीं दिया जाएगा. पिछले साल मार्च में ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप के बाद बीडब्ल्यूएफ ने सत्र को निलंबित कर दिया था. जिसके बाद अक्टूबर में हुए डेनमार्क ओपन सुपर 750 और सारलोरक्स सुपर 100 में साइना और पीवी सिंधु ने भाग नहीं लिया था.

कोर्ट के फैसले से सहमत नहीं किसान

टिकैत बोले- कानून बनाने वाले लोग ही कमेटी में

नई दिल्ली। कोर्ट के फैसले पर किसान संगठनों ने असहमति जताई है. किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि देश के किसान कोर्ट के फैसले से निराश हैं. अशोक गुलाटी की अध्यक्षता में कमेटी ने सिफारिश की थी. गुलाटी ने ही कृषि कानूनों की सिफारिश की थी. राकेश टिकैत ने ट्वीट किया, माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित कमेटी के सभी सदस्य खुली बाजार व्यवस्था या कानून के समर्थक रहे है. अशोक गुलाटी की अध्यक्षता में गठित कमेटी ने ही इन कानून को लाये जाने की सिफारिश की थी. देश का किसान इस फैसले से निराश है. राकेश टिकैत ने कहा कि किसानों की मांग कानून को रद्द करने व न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानून बनाने की है. जब तक यह मांग पूरी नहीं होती तब तक आंदोलन जारी रहेगा. माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का परीक्षण कर कल संयुक्त मोर्चा आगे की रणनीति की घोषणा करेगा. रेलवे सेवा बाधित होने के बावजूद देश के अलग-अलग हिस्सों से किसानों का आना लगातार जारी है. संयुक्त किसान मोर्चा ने जारी बयान में कहा

कि आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के किसान आ गए हैं, परसों केरल के किसान भी आ रहे हैं. किसानों ने केंद्र सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में किसान आंदोलन को बदनाम करने व दो-तीन राज्यों तक सीमित बताकर आंदोलन को कमजोर करने की कोशिश की निंदा की।

एक नजर....

न्यासी एवं कॉंग्रेस युवा नेता आदित्य ने दो परिवारों को दी आर्थिक सहायता

ग्वालियर। गरीबों की मदद करने वाली षहर की सक्रिय सामाजिक संस्था जन उत्थान न्यास की ओर से 2 गरीब परिवारों को आर्थिक सहायता न्यासी एवं युवा कॉंग्रेस नेता आदित्य सिंह सिकरवार ने प्रदान की। न्यासी आदित्य सिंह सिकरवार ने आज वार्ड 23 में अषरफ अली को पति के निधन पर एवं वार्ड 28 निवासी षंकर लाल नार्वे को ईलाज के लिये आर्थिक सहायता प्रदान की। इस मौके पर आदित्य सिंह सिकरवार के साथ वरिश्ठ कॉंग्रेस नेता सुधीर मंडेलिया, सुनील रमपुरिया, श्रीमती ऊश गहलोत, गौतम आदि मौजूद रहे।

कच्ची शराब बनाने के दो कारखाने नष्ट, 25 ड्रम सहित लाखों का माल किया जप्त

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी;भापुसेद्ध द्वारा जिले में लगातार अवैध मादक पदार्थो के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश समस्त राजपत्रित अधिकारियो व थाना प्रभारियो को दिये गये जिसके पालन में नशे के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ;मध्यद्ध श्री पंकज पाण्डेएनगर पुलिस अधीक्षक महाराजपुरा श्री अखिलेश रैनवाल के मार्गदर्शन में आज दिनांक 12ध्1ध्2021 को थाना प्रभारी पुरानी छावनी निरी. सुधीर सिंह कुशवाह कोजरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि क्षेत्र के ग्राम रुद्रपुरा मदनपुरा जुगरुपुरा में अवैध रुप से हाथ भट्टी की कच्ची शराब बनायी जा रही है । उक्त सूचना पर थाना प्रभारी सुधीर सिंह कुशवाह द्वारा उनिण् अजय सिंह सिकरवारए लखपत सिंह तोमरएइन्द्र सिंह राठौर के नेतृत्व में एक टीम गठित कर अवैध कच्ची शराब के विरुद्ध तत्काल कार्यवाही करने हेतु रवाना किया । गठित टीम द्वारा इलाका में लगातार कार्यवाही कर मदनपुरा के हार में कुँआ के पास भट्टी लगाकर कच्ची शराब बनाने का कारखाना पकडा जहां दो व्यक्ति भारी मात्रा में कच्ची शराब बना रहे थे मौके से पुलिस ने एक ड्रम मे भरी 60 लीटर कच्ची शराब बनी हुई तथा 12 ड्रमों में भरे हुये गुड लहान को दो गैस सिलेण्डर चूल्हा तथा पानी की मोटर टिछू पम्प जप्त किये गुड लाहन को मौके पर फैलाकर नष्ट किया तथा पूरा माल मय शराब के जप्त कर लिया शराब तस्कर मौके से भाग निकले। उसके बाद टीम ने रवाना होकर मुखबिर सूचना पर दबिस देकर ग्राम जुगरुपुरा में बडा कुंआ के पास से अवैध कच्ची शराब बनाने का कारखाना पकडा जिसमें मौके पर पुलिस को भारी मात्रा में कच्ची शराब बनती हुई मिली उक्त स्थान से पुलिस ने एक ड्रम में भरी बनी हुई 75 लीटर कच्ची शराब तथा 11 ड्रम गुड लाहन के भरे हुये एक एल्यूमीनियम का डेकचाएएक पतीलाएएक गैस सिलेण्डर टिछू पंप आदि लाखो का माल जप्त किया शराब बनाने वाले तस्करों मे से 04 आरोपी मौके से फार हो गये। उसके बाद रवाना होकर टीम द्वारा घेराबंदी कर दो व्यक्तियों को एक प्लेटिना मोटर साईकिल पर 60 लीटर कच्ची शराब की भरी हुई दो कैन रखकर बेचने के लिये ले जाते हुये पकडा जिन्होने भागने की काफी कोशिश की पर सफल नही हो सके तथा पूरे माल व ड्रमो को एक ट्रक में भरवाकर थाना पहुंचाकर आरोपियो के विरुद्ध आबकारी एक्टके तहत मामला कायम कर विवेचना में लिया गया।

विश्व युवा दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद का 159वी जयंती मनाई

प्रेस नारायणलाल सैणचा

मैसूरु - राजस्थान विष्णु सेवा ट्रस्ट नवयुवक मंडल मैसूरु के तत्वावधान में आज विश्व युवा दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद का 159.वी.जयंती मनाई गई द्य इस अवसर पर जैन समाज के अचलचंद राठोड़, बाबूलाल राँका,राजस्थान विष्णु सेवा ट्रस्ट नवयुवक मंडल मैसूरु के अध्यक्ष पृथ्वी सिंह चाँदावत, जेसाराम बोराणा, सद्स्य करमाराम सीरवी, देवेंद्र परिहारिया, अमराराम सीरवी,चिरंजीवीलाल कुमावत, गुदड़राम सीरवी,आदि मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह के निवास पहुंचकर उनके बेटे एवं युवा हृदय सम्राट रिपुदमन तोमर जी से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, मन प्रसन्न और धन्य है।। श्री सिंह साहब से मुलाकात कर उनको शॉल उड़ाकर अभिवादन किया। युवा कार्यकर्ताओं के लिए ऊर्जा का स्रोत रिपुदमन सिंह जी बेहद विनम्र और सहज इंसान हैं, मुलाकात के दौरान कई विषयों पर चर्चा हुई लेकिन हर विषय पर जनभावनाओं को महत्व देने की उनकी विशेषता उन्हें अलग बनाती है। प्रदेश के विकास के लिए तत्पर रिपुदमन सिंह जी ने अनेक विकास कार्यों पर चर्चा की एवं समस्त कार्यकर्ताओं का हौंसला अफ़जाई भी किया।

अंबानी ने पहले जिओ का चस्का लगाया जिससे बीएसएनएल को डुबो दिया, आइडिया एयरटेल कर्ज में डूब गई इसी प्रकार मोदी सरकार किसान विरोधी तीन कानून बनाकर

किसानों से सब कुछ छीनना चाहती है: डॉ. गोविंद सिंह

मोहन मांझी

गोहद। केंद्र की मोदी सरकार ने किसान विरोधी 3 कानून बनाकर किसानों की दिन और रातों की नींद छीन ली है और किसान इन कानूनों को वापस कराने के लिए दिल्ली के वोडरों को घेरे हुए हैं। दिल्ली के किसान आंदोलन के समर्थन में आज गोहद में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं लहार विधायक डॉक्टर गोविंद सिंह एवं गोहद विधायक मेवाराम जाटव के आह्वान पर गोहद के किसानों ने एक विशाल ट्रैक्टर रैली का आयोजन किया इस ट्रैक्टर किसान रैली में लगभग 6 सैकड़ा से अधिक ट्रैक्टरों ने भाग लिया। डॉ. गोविंद सिंह एवं मेवाराम जाटव दोनों एक ही ट्रैक्टर पर सवार होकर ट्रैक्टर रैली में सबसे आगे चल रहे थे। ट्रैक्टर किसान रैली में सबसे आगे डीजे साउंड उसके पीछे मोटरसाइकिलों की रैली तथा फिर 600 से अधिक ट्रैक्टरों की रैली चल रही थी रैली गोहद चौराहा स्टेशन रोड से लगभग 1ः00 बजे रवाना हुई जो गोहद रोड होते हुए गल्ला मंडी तिराहा, गोलंबर तिराहा, गंज बाजार, भानु की घटिया, बस स्टैंड सदर बाजार इटाइली गेट के रास्ते नया बस स्टैंड अंबेडकर पार्क में सभा में तब्दील हो गई ट्रैक्टर की कतार इतनी लंबी थी कि नगर से निकलने में ट्रैक्टरों को पूरे 4 घंटे लगे हालांकि प्रशासन ने किसान ट्रैक्टर रैली के पूरे रूढ़ को सुबह से ही क्लियर कर लिया था तथा बाजार के अंदर चप्पे-चप्पे पर पुलिस के द्वारा निगरानी कराई जा रही थी। इस किसान ट्रैक्टर रैली को अंबेडकर पार्क में किसानों को संबोधित करते हुए डॉ गोविंद सिंह ने कहा कि जिस तरह अंबानी ने लोगों को जियो को पहले फ्री में बांट कर लोगों को इसका चस्का लगा दिया था जिससे भारत की बीएसएनएल कंपनी डूब गई एवं आईडिया सहित कई कंपनियां कर्ज में डूब गई उसी प्रकार मोदी सरकार के द्वारा किसान विरोधी 3 विल बनाए गए हैं यह भी उसी अंबानी अडानी जैसे उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में 70 से 80त्न लोग गांव में बसते हैं जो पूर्णतः खेती किसानी मजदूरी पर निर्भर हैं यह अधिकांश किसान कर्ज में डूबे हुए हैं और यह पहले से ही घाटे में है ऊपर से केंद्र सरकार ने यह किसान विरोधी तीन कानून बनाकर किसानों की दिन और रात की नींद उड़ा दी है। महंगाई को लेकर उन्होंने कहा कि डीजल के दाम खाद के दाम कृषि यंत्रों के दाम कई गुना बढ़ गए हैं परंतु अनाज की कीमत नाम मात्र को बढ़ाई जाती है। कई वर्ष पहले गेहूं के दाम 1400 रुपए हुआ करते थे जो अब 1950 रुपए तक ही बढ पाए हैं। जबकि मेहंगाई तब से आज तक डेढ़ सौ गुना तक बढ़ गई है। इसी प्रकार किसान की अन्य फसलों के भी दाम वही की वही है। उन्होंने कृषि कानूनों पर बोलते हुए कहा कि किसानों को इन कानूनों की जरूरत नहीं थी परंतु मोदी सरकार अंबानी और अडानी जैसे उद्योगपतियों को खुश करने के लिए अन्नदाताओं पर कानून ठोक दिए हैं उन्होंने किसानों को समझाते हुए कहा कि कानून बाद में बने परंतु अडानी, अंबानी जैसे उद्योगपतियों के गोदाम 3 वर्ष पहले ही बन गए जो पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात आदि कई राज्यों में इतने बड़े-बड़े गोदाम बनाए गए हैं कि जिनमें गोहद का पूरा गल्ला दो गोदामों में ही आ जाएगा। उन्होंने कहा कि इनमें रखे हुए अनाज का लेखा-जोखा एसडीएम कलेक्टर या प्रशासन के पास नहीं होगा। कानूनों में उनको बिना अनुमति के बिना बताए बिना जानकारी के सभी अनाज रखने की आजादी दी गई है। पहले हमारे यहां जितना भी अनाज पैदा होता था वह कहां कितना रखा है शासन के पास पूरा लेखा-जोखा रहता था। इन कानूनों के मुताबिक अब वह पूरा गल्ला खरीदकर जब चाहे तब मनमानी कीमतों पर अपने हिसाब से सकेंगे बेच सकेंगे। किसान की बेईमानी करने पर उनके खिलाफ कोई केस भी नहीं चलाया जा सकेगा। दूसरे कानून में अडानी अंबानी जैसे उद्योगपति किसान की खेती की फसल के दाम 5 से 10 वर्ष के लिए पहले ही कीमत तय करके एग्रीमेंट कर लेंगे और फिर किसान को उसी रेट पर अपनी फसल उन्हें देना पड़ेगी। तीसरे कानून में प्राइवेट मंडियों में उद्योगपतियों के द्वारा किसान का आधार कार्ड लेकर किसान का गल्ला उधार खरीद लिया जाएगा जिसमें किसान की फसल के दाम वही तय करेंगे किसानों की फसल का भुगतान यदि नहीं होता है तो वह कोर्ट भी नहीं जा सकेगा। इन प्राइवेट मंडियों के खुलने से छोटे छोटे व्यापारी, पल्लेदार, हम्माल, छोटे दुकानदार सहित कई लोगों का रोजगार छिन जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों की एक ही मांग है कि किसानों की फसल के लिए समर्थन मूल्य पर कानून बने। वह तो सरकार बना नहीं रही उल्टा किसानों को बर्बाद करने के लिए कानून बना दिए हैं। इस अवसर पर गोहद विधायक मेवाराम जाटव ने कहा कि मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार ने गोहद के विकास कार्य के लिए नगर पालिका परिषद गोहद के लिए दिए गए 8 करोड रुपए एवं मौ नगर परिषद के लिए दिए गए 5 करोड़ 95 लाख रुपए वापस मांग लिए हैं यह गोहद वासियों के साथ अन्याय है। जनता के साथ होने वाले इस अन्याय को मैं बर्दाश्त नहीं करूंगा। मैं इसे डॉक्टर गोविंद सिंह जी के साथ मिलकर भोपाल में उठाऊंगा और जरूरत पड़ी तो इसके लिए आंदोलन भी करूंगा और गोहद के विकास का एक पैसा भी वापस नहीं जाने दूंगा। उन्होंने किसानों पर बोलते हुए कहा कि मैं जानता हूं कि किसानों की क्या ताकत होती है किसानों ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के हेलीकॉप्टर को नहीं उतरने दिया। उन्होंने कहा कि हम ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रपति जी को गोहद के किसानों की सिंचाई की समस्या, किसानों के सिंचाई पंपों के बिजली बिल अधिक आने की समस्या सहित कई अन्य समस्याओं लेकर महामहिम राष्ट्रपति जी के नाम ज्ञापन सौफ रहे हैं। सभा के अन्त में महामहिम राष्ट्रपति जी के नाम एसडीएम शुभम शर्मा को एक ज्ञापन सौंपा गया। किसान ट्रैक्टर रैली को महाराज बाली बाबा, खिजार मोहम्मद कुरेशी,आशीष गुर्जर, देवासीस जरारिया, रामनारायण हिंडोलिया, बल्लू दुबे, राधेश्याम शर्मा, शैलेंद्र सिंह गुर्जर सहित कई लोगों ने किसानों को संबोधित किया मंच का संचालन राघवेंद्र शर्मा ने किया। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता गुड्डू भदोरिया, उमेश कांकर, शहर अध्यक्ष विजय उर्फ टोनी मुदगल, डॉ राजकुमार देशलहरा, कुलदीप गुर्जर, गोपाल पचौरी, केदार कौशल, राजीव कौशिक, डॉक्टर दिनकर, कैलाश माहौर, सलीम बॉक्स, साबू खान, जावेद पठान, अवधेश शुक्ला, वीरेंद्र सिंह राणा, लाखन बाथम, पिंकी उचाडिया, सुरेंद्र शर्मा, राजेंद्र परिहार सहित हजारों किसान अपने अपने ट्रैक्टरों साथ उपस्थित थे।

गोविंद आर्य हुए आम आदमी पार्टी में शामिल

लहार नगर पालिका के प्रबल दावेदारों में से एक युवा नेता गोविंद आर्य

लहार(अर्पित गुप्ता)। लहार नगर के युवा चर्चित चेहरे गोविंद आर्य तक्षशिला गार्डन में आम आदमी पार्टी में सम्मलित हुए बताया जा रहा है कि गोविंद आर्य उर्फ रानू खटीक आगामी नगर पालिका चुनाव में आम आदमी पार्टी से अपनी दावेदारी प्रस्तुत कर सकते है।जानकारी के अनुसार प्रदेश संगठन सचिव सुमित चौहान की अध्यक्षता में लहार के युवा चर्चित चेहरे गोविंद आर्य आम आदमी पार्टी में शामिल हुए जहां पार्टी पदाधिकारियों ने उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया और उनके उज्वल भविष्य की कामना की उस मोके पर आम आदमी पार्टी के बिधानसभा प्रत्याशी योगेंद्र सिंह,डॉक्टर उमाशंकर मिश्रा,राजकुमार सिंह राजावत,महेश मिश्रा,राधामोहन दांतरे,आबिद अली आदि लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे ।

किसान कॉंग्रेस की बेरवई ग्राम में लगी किसान चौपाल

मऊरानीपुर (झाँसी) उत्तर प्रदेश किसान कॉंग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष शिवनारायण सिंह परिहार के नेतृत्व में ग्राम बेरवई में एक किसान चौपाल लगायी गयी । जिसमें बुजुर्ग से लेकर युवा किसानों के समाधान के लिये भरी हुँकार कहा कि यहाँ बेरवई गाँव में जल स्तर लगातार गिरने से पेयजल व सिंचाई के लिये संचालित ट्यूबवेल फेल हो रहे है। जिससे किसानों की हजारों एकड भूमि में फसल की बुआई नही हो पा रही है। जिससे किसानों के सामने खेती के अलावा और कोई भी आजीविका के साधन नही है। जिससे किसानों के भरण पोषण का संकट मडरा रहा है। उत्तर प्रदेश किसान कॉंग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष शिवनारायण सिंह परिहार ने कहा कि जहाँ एक ओर प्रदेश सरकार कह रही है। हर खेत में पानी पहुँचायेगें वही जनपद झाँसी के कई ऐसे मौजे है जहाँ पर पानी के अभाव में हजारों एकड जमीन तत्काल पथराई असिचित पडी है। शासन तत्काल पथराई बाँध से बेरवई गाँव तक सिंचाई विभाग द्वारा सर्वे कराकर किसानों को सिंचाई के लिये पानी की व्यवस्था उपलब्ध करायें । इस मौके पर प्यारे लाल बेधडक, रामाधार निषाद, शेखर राज बडौनिया, रामचन्द्र बुढिया, हरिश्चन्द्र मिश्रा, नन्दराम सिंह खंगार, किशोरी लाल यादव, रणजीत सिंह यादव, मीजद खाँ दीपक चौधरी, पुष्पेन्द्र कुमार, रमाकान्त, अभिषेक वर्मा, मान सिंह यादव, प्रेमचन्द्र चौधरी, राजेन्द्र प्रसाद, परशुराम, हरभजन पाल आदि सैकडों लोग चौपाल में शामिल रहे।

एक नजर...

प्रेमिका को स्मार्ट फोन देने के लिए पड़ोसी के घर आए युवक की कर दी हत्या

आगरा। आगरा के सैंया में अपनी बहन के घर आए युवक का शव छह जनवरी को सरसों के खेत में मिला था। हत्या के पीछे कोई पुरानी रंजिश नहीं थी। युवक के जीजा के पड़ोसी को उसका मोबाइल पसंद आ गया था। उसे वह मोबाइल अपनी प्रेमिका को तोहफे में देना था। इसलिए दोस्त के साथ मिलकर युवक को मार डाला। मोबाइल लूट लिया। पुलिस ने सोमवार को हत्याकांड का खुलासा किया। दो हत्यारोपियों को जेल भेजा गया है। एसपी ग्रामीण पश्चिम सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि छह जनवरी को सैंया क्षेत्र में सरसों के खेत में युवक का शव मिला था। शव की पहचान जितेंद्र के रूप में हुई थी। वह चमरपुर डांग धियावली, धौलपुर का निवासी था। सैंया में अपनी बहन के घर आया था। पांच जनवरी को वहां से अपने घर के लिए निकला था। धौलपुर नहीं पहुंचने पर घरवालों ने सैंया थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। एसपी ग्रामीण ने बताया कि जितेंद्र की हत्या इमली बस्ती निवासी मोनू और सुमित ने की थी। दोनों को गिरफ्तार करके जेल भेजा गया है। हत्या की वजह सुनकर पुलिस वाले भी हैरान रह गए। मोनू ने पुलिस को बताया कि जितेंद्र के जीजा का घर उसके पड़ोस में है। जितेंद्र अपनी बहन के घर आया था। उसने देखा कि उसके पास एक अच्छा मोबाइल है। आगरा में उसकी प्रेमिका रहती है। प्रेमिका ने उससे पिछले दिनों टच स्क्रीन वाला अच्छा फोन मांगा था, ताकि दोनों वीडियो कॉल पर भी बातचीत कर सकें। उसके पास मोबाइल खरीदने के लिए रुपये नहीं थे। उसे जितेंद्र का फोन पसंद आ गया। सोच लिया कि इसे ही लूटकर अपनी प्रेमिका को दे दूंगा। उसने अपने दोस्त सुमित से कहा कि एक काम करना है। पड़ोसी के साले का मोबाइल छीनना है। बहुत इतराता है। उसने उससे मोबाइल दिखाने को कहा था। उसने अपना मोबाइल उसके हाथ में भी नहीं दिया। बाहर से आए युवक ने उसकी बेइज्जती कर दी है। बदला लेना है। पांच जनवरी की सुबह मोनू और सुमित ने योजना के तहत जितेंद्र को खेत में घेर लिया। उसका मोबाइल छीनने लगे। विरोध करने पर उसे पीटा। उसका गला दबा दिया। मोबाइल लूटकर ले गए। पुलिस ने लूटे हुए मोबाइल से हत्या की गुत्थी सुलझाई। गांव में मोनू की हकीकत जानने के बाद हर कोई हैरान है।

बुलंदशहर शराब कांड : कहीं राज छिपाने के लिए तो नहीं मार दिए गए प्रदीप और सतीश

बुलंदशहर। गौतमबुद्धनगर के कासना क्षेत्र में अवैध शराब फैक्ट्री में मिले दो शवों ने पुलिस को उलझा दिया है। प्रारंभिक तौर पर दोनों की मौत को जहरीली शराब के चलते बताई जा रहा है, किंतु यह भी आशंका है कि कहीं राज छिपाने के लिए उनकी हत्या तो नहीं की गई है। पुलिस को दोनों मृतकों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। सिकंदराबाद पुलिस ने एक सूचना पर गौतमबुद्धनगर के कासना क्षेत्र में एक फैक्ट्री में छापामार कार्रवाई करते हुए अवैध शराब फैक्ट्री पकड़ी। पुलिस ने मौके से 36 पेटी मिलावटी शराब के अलावा दो शव बरामद किए। दोनों मृताकें की पहचान प्रदीप और संतोष पंडित के रूप में हुई, जो संभवत- वहां काम करते थे। वैसे तो प्रारंभिक जांच में दोनों मृतकों के शरीर पर चोट का कोई निशान नहीं मिला, किंतु फैक्ट्री के अंदर उनकी मौत कई सवाल खड़े कर रही है। दोनों लोग अगर शराब पीने से बीमार हुए तो वह उपचार कराने क्यों नहीं गए? ऐसे में यह भी आशंका है कि कोई राज छिपाने के लिए दोनों लोगों को योजनाबद्ध तरीके से मौत के घाट उतार दिया गया हो। संतोष कुमार सिंह, एसएसपी का कहना है कि दोनों मृतकों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से उनकी मौत की वजह का पता चल सकेगा। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

अवैध शराब फैक्ट्री मामले में कासना और सिकंदराबाद में रिपोर्ट दर्ज- ग्रेटर नोएडा के कासना में पुलिस के छापेमारी में पकड़ी गई अवैध शराब की फैक्ट्री मामले में सिकंदराबाद कोतवाली व कासना में रिपोर्ट दर्ज की गई है। दोनों स्थानों की पुलिस को अब मुख्य आरोपी की तलाश है। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी और उनके नेटवर्क की कमर तोड़ने में जुटी है। सीओ नम्रता श्रीवास्तव ने बताया कि क्षेत्र के गांव जीतगढ़ी में थाना कासना क्षेत्र स्थित अवैध फैक्ट्री से जहरीली शराब की सप्लाई हुई थी। जिसका सेवन करने से छह लोगों की मौत हो गई थी। वही कई लोग बीमार हो गए थे। कासना क्षेत्र में पकड़ी गई अवैध शराब की फैक्ट्री का मुख्य आरोपी मिंकू व उसके सहयोगियों को जीतगढ़ी मामले में आरोपी बनाकर रिपोर्ट दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि थाना कासना में अवैध शराब बनाने की फैक्ट्री संचालित करने, अवैध शराब की बरामदगी के मामले में रिपोर्ट दर्ज की गई है। अब दोनों क्षेत्रों की पुलिस मुख्य आरोपी व उसके सहयोगियो की तलाश में जुटी हुई है। आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पुलिस कार्रवाई के विरोध में दूसरे दिन भी शराब के ठेके बंद- सिकंदराबाद क्षेत्र में जहरीली शराब कांड के बाद शराब ठेके के अनुज्ञापी, उसके रिश्तेदार एवं सेल्समैन को गिरफ्तार किए जाने के विरोध स्वरूप दूसरे दिन सोमवार को भी जिले भर के शराब, बीयर के ठेके बंद रहे। शराब ठेकेदारों ने आबकारी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया और प्रदेश के मुख्य सचिव को ज्ञापन भेजकर पुलिस पर मनमानी का आरोप लगाते हुए न्याय की मांग की।

450 करोड़ रुपए ठगी, 400 एफआईआर, फिर भी पुलिस की गिरफ्त से कैसे दूर है रोहतास बिल्डर?

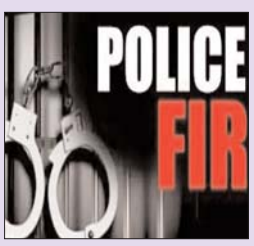

लखनऊ। करीब 450 करोड़ रुपए की ठगी। 400 से ज्यादा एफआईआर। रेरा का लगातार आदेश। इतना सब कुछ होने के बावजूद राजधानी की पुलिस रोहतास बिल्डर को चार वर्ष से नहीं तलाश पा रही है। उसके खिलाफ 2016 से ही कई एफआईआर दर्ज हो गयी थी। लेकिन पुलिस की मेहरबानी से बिल्डर बचता रहा है। अब ऊपर की सख्ती के बाद पुलिस ने बिल्डर पर शिंकजा कसा है। उसके एमडी व सीएमडी को भगोड़ा घोषित किया है। रोहतास बिल्डर ने राजधानी के 1950 आवंटियों से लगभग 450 करोड़ रुपए की ठगी की है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) की जांच में इतने बड़ी रकम की ठगी का खुलासा हुआ है। रोहतास के आवंटियों ने सबसे पहले रेरा का दरवाजा खटखटाया। रेरा चेयरमैन राजीव कुमार ने खुद सुनवायी की। बिल्डर के खिलाफ पांच आदेश किये। उस पर 3 करोड़ से ज्यादा का जुर्माना लगाया। परियोजनाएं पूरी करने के लिए उसे समय भी दिया। बिल्डर ने रेरा का आदेश भी हवा में उड़ा दिया। उधर एफआईआर के बावजूद पुलिस ने बिल्डर के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। इससे परेशान होकर बिल्डर की ठगी का शिकार लोग नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल पहुंचे। बिल्डर के पास सुल्तानपुर रोड पर कई टुकड़ों में 45 एकड़ जमीन थी लेकिन उसने कागजों में 173 एकड़ जमीन दिखाकर लोगों को प्लाट बेच दिए। रायबरेली रोड पर उसके पास 50 एकड़ जमीन भी नहीं थी लेकिन 111 एकड़ में टाउनशिप का विज्ञापन देकर पैसा बटोरा। एनसीएलटी को पता चला है कि उसने पहले चरण में 1670 लोगों को प्लॉट आवंटित किया। इनसे चार अरब 5 करोड़ रुपए वसूले। हालांकि इसमें से एनसीएलटी ने वेरीफिकेशन के बाद 2 अरब 31 करोड़ रुपए बिल्डर के वसूलने की पुष्टि कर दी है। बाकी रकम खरीदारों ने बिल्डर को कैश में दी थी। 280 लोग और चिन्हित हुए हैं। इन लोगों ने

मुरैना में जहरीली शराब पीने से 11 लोगों की मौत, 8 बीमार

भोपाल। मध्य प्रदेश में मुरैना जिले के दो गांवों में सोमवार रात को जहरीली शराब पीने से 11 लोगों की मौत हो गई और आठ लोग गंभीर रूप से बीमार हो गये। जिला पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया ने मंगलवार को बताया कि यह घटना जिला मुख्यालय से लगभग 14 किलोमीटर दूर मानपुर एवं पहावाली गांवों में हुई। उन्होंने बताया कि जहरीली शराब पीने से मानपुर और पहवाली गांव के 11 लोगों की मौत हो गयी तथा आठ लोग गंभीर रुप से बीमार हो गये। बीमार लोगों को बेहतर उपचार के लिये ग्वालियर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर

बनी हुई है। उन्होंने बताया कि प्राथमिक तौर पर मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार रात को ग्रामीणों ने शराब पी थी, जिसके बाद उनकी हालत बिगड़ गयी और अब तक 11 लोगों की इससे मौत हो चुकी है। सुजानिया ने बताया कि सभी मृतकों का मुरैना के जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और इसकी रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि की जा सकेगी। उन्होंने बताया कि इस मामले में ग्वालियर के अस्पताल में भर्ती लोगों के बयान लेने पुलिस वहां पहुंच गई है। उनके बयान लेने के बाद ही साफ हो पायेगा कि गांव में संदिग्ध जहरीली शराब कहां से आई थी। एसपी ने बताया कि पुलिस गांव में भी पूछताछ कर रही है। इस मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

मध्य प्रदेश में कोरोना वायरस के 485 नए मामले, 7 और लोगों की मौत

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 485 नए मामले सामने आए और इसके साथ ही प्रदेश में इस वायरस से अब तक संक्रमित पाए गए लोगों की कुल संख्या 249082 तक पहुंच गई। राज्य में पिछले 24 घंटों में इस बीमारी से सात और व्यक्तियों की मौत की पुष्टि हुई है जिससे मरने वालों की संख्या 3718 हो गई है। मध्य प्रदेश के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया, पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में कोरोना वायरस के संक्रमण से विदिशा में तीन, तथा भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, एवं देवास में एक-एक मौत की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया, राज्य में अब तक कोरोना वायरस से सबसे अधिक 910 मौत इंदौर में हुई हैं, जबकि भोपाल में 591, उज्जैन में 104, सागर में 149, जबलपुर में 245 एवं ग्वालियर में 212 लोगों की मौत हुई हैं। बाकी लोगों की मौत अन्य जिलों में हुई हैं। अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में रविवार को कोविड-19 के 145 नए मामले इंदौर जिले में 89 आये, जबकि भोपाल में 131 नए मामले आए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कुल 2,49,082 संक्रमितों में से अब तक 2,37,713 मरीज स्वस्थ होकर घर चले गये हैं तथा 7,651 मरीज़ों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। उन्होंने कहा कि सोमवार को 650 रोगियों को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

एकतरफा प्यार में दीवाने लड़के के लड़की की मां और छोटे भाई को बंधक बनाया

भोपाल। एकतरफा प्यार में पड़े मनचले को लड़की का ना कहना इतना नागवार गुजरा कि वह गुंडे लेकर उसके घर पहुंच गया। उसने प्रेमिका की मां और भाई को बंधक बनाकर उसके साथ जमकर मारपीट की और लड़की को जान से मारने की कोशिश तक की। बाद में वह अपने दोस्तों के साथ मौके से फरार हो गया। आरोपी की वजह से लड़की का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। करीब 4 घंटे तक दहशत में रहने के बाद पिता के घर पहुंचने पर लड़की ने सबकुछ उन्हें बताया दिया। जिसके बाद देर रात थाने पहुंचकर उन्होंने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। फिलहाल आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। रातीबड़ पुलिस के अनुसार 24 वर्षीय लड़की रातीबड़ में रहती है। उसके पिता जॉब करते हैं। उसने इसी साल मास्टर डिग्री कंप्लीट की है। उसने पुलिस को बताया कि रवि जाटव नाम का लड़का काफी दिनों से उसके पीछे पड़ा है। उसका घर से निकलना तक मुश्किल हो गया है। वह उस पर जबरन शादी करने का दबाव बना रहा है। उसके शादी करने का पूछने पर उसने मना कर दिया। इससे नाराज होकर शनिवार दोपहर करीब 1:30 बजे वह कार से उनके घर आया। उसके साथ तीन अन्य लड़के भी थे। घर में घुसते ही उसने अंदर से दरवाजा बंद कर दिया। इसके बाद उन्होंने उनकी मां और छोटे भाई को बंधक बनाकर मारपीट शुरू कर दी। रवि ने उसे कमरे में ले जाकर गला दबाकर जान से मारने की धमकी दी। उसने कहा कि अगर वह शादी के लिए तैयार नहीं हुई, तो वह उसके साथ उसके पूरे परिवार को जान से मार देगा। मारपीट और धमकी देने के बाद रवि अपने दोस्तों के साथ मौके से फरार हो गया। घटना दोपहर करीब 1:30 बजे की है। उसके बाद पूरा परिवार डर और दहशत में घर के अंदर ही बंद रहा। देर शाम जब लड़की के पिता घर पहुंचे, तो उन्होंने पूरी बात उन्हें बताई। उसके बाद लड़की परिवार के साथ रातीबड़ थाने पहुंची और आरोपी के खिलाफ घर में बंधक बनाने, गाली गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी समेत 8 धाराओं में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने इस मामले में रवि और अन्य 3 लोगों को आरोपी बनाया है। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी।

ड्यूटी में जा रहे हेड कांस्टेबल को ट्रक ने कुचला

रायबरेली। रायबरेली जिले में सुरक्षा ड्यूटी में जा रहे एक हेड कांस्टेबल को मिल एरिया थाना क्षेत्र में रतापुर चौराहे पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया। घटना के बाद ट्रक के पहिए में फंसा हेड कांस्टेबल का शव व बाइक दोनों कई मीटर तक घिसटते चले गए। जिसके चलते शव क्षत विक्षत हो गया। सुबह के सन्नाटे का फायदा उठाते हुए चालक ट्रक समेत मौके से भागने में कामयाब रहा। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम में भेज कर घटना में शामिल चालक व ट्रक की तलाश शुरू कर दी है। कुछ समय पहले तक मिलएरिया थाने पर तैनात रहे हेड कांस्टेबल मुनेश्वर दयाल वर्मा का तबादला पुलिस लाइन हो गया था। और पुलिस लाइन से ही राना नगर निवासी एक महिला की सुरक्षा में तैनात कर दिया गया था। लेकिन हेड कांस्टेबल श्री वर्मा मिलएरिया थाना परिसर में ही बनाए अपने आवास से सुरक्षा ड्यूटी में जाते थे। आज सुबह करीब 6:00 बजे श्री वर्मा सुरक्षा ड्यूटी के लिए अपनी बाइक संख्या यूपी 31 आर 98 62 से जा रहे थे। तभी रतापुर चौराहे पर पहुंचते ही लखनऊ की ओर से आए एक तेज रफ्तार ट्रक में उन्हें कुचल दिया।

मौसम अलर्ट : आज और कल शीतलहर की चेतावनी

लखनऊ। यूपी मौसम विभाग ने आज और कल कई जिलों में शीतलहर को लेकर चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार इन दो दिनों में कुछ जिलों में दिनभर शीतलहर चलने का अनुमान है। 12 जनवरी को सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली और आसपास के इलाकों में शीतलहर की चेतावनी जारी हुई है।

इस बार ठंड के जल्द विदा होने के संकेत बिहार में मौसम के असामान्य मिजाज ने जो संकेत दिए हैं उसके अनुसार इस बार गर्मी का आगमन जल्द हो सकता है। अभी जनवरी का दूसरा हफ्ता ही चल रहा है और पारा 27 डिग्री के पार पहुंच गया है। ऐसे में जनवरी अंत या फरवरी के आरंभ तक ठंड के विदा होने के आसार प्रबल हो गए हैं। सामान्यतया अभी सूबे में पारा 20 से 22 डिग्री के बीच रहना चाहिए था, लेकिन पिछले दस दिनों से पारा 25 से 28 डिग्री सेल्सियस पर बना हुआ है। अमूमन पारे का यह स्तर मार्च के अंत तक देखा जाता था। न्यूनतम तापमान की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है। शेखपुरा और जमुई का न्यूनतम पारा क्रमश- 18 और 18.1 डिग्री

सेल्सियस पर पहुंच गया था। अन्य शहरों की स्थिति भी ठीक नहीं और न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच से छह डिग्री अधिक हैं। पूस में फागुन जैसी गर्मी पर मौसम वैज्ञानिक भी अध्ययन में लगे हैं। आम लोगों में भी इस बात को लेकर कौतूहल है कि कहीं इस बार गर्मी का कहर तो नहीं बरपेगा। पिछले साल लॉकडाउन में गर्मी काफी कम पड़ी थी और पूरे सीजन हर हफ्ते बारिश की स्थिति बनने से तापमान सामान्य से नीचे रहा था। मौसम की गतिविधियों और जलवायु परिवर्तन की स्थिति पर नजर रखने वाले सीयूएसबी के असिस्टेंट प्रोफेसर प्रधान पार्थसारथी ने कहा कि जो संकेत हैं उसके अनुसार गर्मी का आगमन जल्द होगा। फरवरी में ठंड की स्थिति पहले जैसी नहीं रहेगी। इस बार दिसंबर से अबतक पश्चिमी विक्षोभों का प्रवाह पर्वतीय इलाकों की ओर दिखा। इस वजह से पर्वतीय इलाकों से मैदानी इलाकों तक आने वाली बर्फीली हवा के प्रवाह पर असर पड़ा। बंगाल की खाड़ी क्षेत्र से नमी की मात्रा राज्य में लगातार बनी रही, लेकिन मौसमी सिस्टम इस तरह नहीं बन पाया कि घना कोहरा हो। इस वजह से रबी के फसलों को काफी नुकसान हो सकता है। ओस न गिरने से खेतों में नमी की मात्रा लगातार कम होती जा रही है। हालांकि पटना मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों की राय थोड़ी जुदा है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक विवेक सिन्हा का कहना है कि विंटर सीजन के तापमान के पैटर्न के आधार पर गर्मी का इतनी जल्दी अनुमान करना उचित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जिन कारणों से अभी तापमान बढ़ा है, उसका अध्ययन जारी है। अभी ऐसा अनुमान करना कि इस बार गर्मी ज्यादा पड़ेगी, यह उचित नहीं होगा।

स्कूल खोलने के नियम में परिवर्तन, योगी सरकार का नया आदेश

लखनऊ। यूपी में स्कूल अब एक पाली में भी चलाए जा सकेंगे। यह आदेश सभी बोर्ड के स्कूलों पर लागू होगा। कक्षा नौ से 12 तक के लिए स्कूल 10 से 3 बजे तक खोले जा सकेंगे। इससे पहले अक्तूबर 2020 में कक्षा नौ से 12 तक के लिए कक्षाएं दो पालियों में चलाने के आदेश जारी किए गए थे। माध्यमिक शिक्षा विभाग की विशेष सचिव आर्यका अखौरी ने आदेश जारी कर दिया है। अभी कक्षा एक से आठ तक के स्कूल नहीं खोले गए हैं। इसके लिए राज्य केन्द्र सरकार की गाइड लाइन का इंतजार कर रहा है। कुछ समय पहले माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) के सचिव दिव्यकांत शुक्ला ने शीत लहर और कोरोना के नए स्ट्रेन के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए जिला विद्यालय निरीक्षकों से एक ही पाली में स्कूल चलाने को लेकर सुझाव मांगे थे। इसके बाद में शासन ने भी आलाधिकारों के साथ बैठक कर इस बात पर विचार करते हुए स्कूलों को एक ही पाली में चलाने के लिए सुझाव मांगे। इसके बाद विशेष सचिव आर्यका अखौरी ने जिलों के सभी डीएम व डीआइओएस सहित अन्य अधिकारियों से सभी विद्यालयों को एक पाली में ही खोलने की बात कही है।

इस गाइडलाइंस पर खुले थे स्कूल- यूपी में कंटेनमेंट जोन के अलावा सभी बोर्डों के स्कूल 19 अक्टूबर से खुल गए थे। पहले कक्षा 9 से 12 तक के स्कूल खोले गए। स्कूल आने के लिए माता-पिता की लिखित सहमति जरूरी थी। किसी भी बच्चे को स्कूल आने के लिए बाध्य नहीं किया गया, जो अभिभावक स्कूल नहीं भेजना चाहेंगे उनके बच्चों की क्लासेज पहले की तरह ऑनलाइन चलती रही। कक्षाएं दो पालियों में संचालित हो रही थी। पहली पाली में कक्षा 9 व 10 जबकि दूसरी पाली में कक्षा 11 व 12 की पढ़ाई हो रही थी। क्लास में पहले दिन केवल 50 प्रतिशत स्टूडेंट्स ही बुलाए जाने का आदेश हुआ था। बाकी 50 फीसदी अगले दिन। ऐसे ही रोटेशन चलाते रहने को कहा गया था।

फीस न देने वाले छात्रों का नाम काटने पर जनहित याचिका- इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शासनादेश के विपरीत गौतमबुद्धनगर के कुछ प्राइवेट स्कूलों द्वारा फीस न जमा करने वाले छात्रों को ऑनलाइन शिक्षा न देने व रजिस्टर से नाम काटने को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर राज्य सरकार से जानकारी मांगी है। कोर्ट ने याचिका को सुनवाई के लिए 21 जनवरी को पेश करने का निर्देश दिया है। यह आदेश मुख्य न्यायमूर्ति गोविंद माथुर एवं न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की खंडपीठ ने प्रवीन अंटल व 22 अन्य की जनहित याचिका पर दिया है। याचियों का कहना है कि राज्य सरकार ने कोविड-19 के दौरान लॉक डाउन के कारण चार जुलाई 2020 को नीति घोषित की है कि यदि छात्र फीस जमा नहीं करते तो उनकी ऑनलाइन कक्षा बंद नहीं होगी और रजिस्टर से नाम नहीं काटा जाएगा। इसके बावजूद कुछ प्राइवेट स्कूल इस नीति का पालन नहीं कर रहे है इसलिए उन्हें नीति के पालन का निर्देश दिया जाए। कोर्ट ने राज्य सरकार के अधिवक्ता को जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर से सरकारी नीति लागू करने पर जानकारी प्राप्त करने को कहा है।

ठांय-ठांय के बाद...अब फोटोशॉप मॉस्क सोशल मीडिया पर उड़ा पुलिस का मजाक

लखनऊ। कोरोना प्रोटोकॉल का पालन न करने पर उठने वाले सवालों से बचने का प्रयास करना पुलिस को उल्टा पड़ गया। गिरफ्तार किए गए अपराधी और उसे पकड़कर खड़े पुलिसकर्मी के चेहरे पर फोटोशॉप से मास्क लगा दिया गया। फिर ट्विटर पर बुरी तरह ट्रोल होने के बाद पुलिस को अपना वह ट्वीट डिलीट करना पड़ा। यह वाकया है कि गोरखपुर का। हुआ यह कि जिले की पुलिस ने पहले एक फोटो ट्वीट की, जिसमें एक कांस्टेबल गिरफ्तार अभियुक्त को पकड़कर खड़ा है। कोरोना प्रोटोकॉल का ध्यान आने पर पुलिस ने थोड़ी देर बाद उसी फोटो को दोबारा

ट्वीट किया, जिसमें दोनों के चेहरे पर फोटोशॉप से मास्क लगा दिया गया। बस इसी के बाद तो ट्विटर पर धमाल मच गया। यूजर्स ने पुलिस को ट्रोल करते हुए तरह-तरह की टिप्पणियां कीं। एक यूजर ने लिखा- 'यह यूपी पुलिस का डिजिटल मास्क है' तो दूसरे ने लिखा-'ये फोटोशॉप करने की जरूरत नहीं थी, आपकी ही सरकार है क्या कर लेते आपका।' इसी तरह एक अन्य यूजर ने टिप्पणी की-'पिक्स आर्ट एप गजब है।' कुछ लोगों ने पुलिस की फोटो एडिटिंग पर भी सवाल उठाया और कहा कि इससे अच्छा तो हम लोग कर लेते हैं। एक यूजर ने तो यह सलाह भी दे दी कि पुलिस को एक बढ़िया फोटोशॉप करने वाला हायर कर लेना चाहिए। इस प्रकरण पर जिले के अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं। हालांकि डीजीपी मुख्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान किसी अभियुक्त को गिरफ्तार करने और उसे कोर्ट में पेश करने के बारे में बाकायदा एक प्रोटोकॉल जारी किया गया है। इसके उल्लंघन की शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाती है।

हैवानियत की सारी हदें पार

45 साल की विधवा के साथ गैंगरेप के बाद प्राइवेट पार्ट में डाली लोहे की छड़

भोपाल। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में चार लोगों ने कथित तौर पर 45 वर्षीय विधवा महिला के साथ सामूहिक बलात्कार कर उसके निजी अंगों में लोहे की छड़ डाल कर उसे गंभीर रुप से घायल कर दिया। पुलिस घटना के संबंध में चार लोगों को हिरासत में लेकर जांच कर रही है। अमिलिया थाने के प्रभारी निरीक्षक दीपक बघेल ने बताया कि सीधी जिला मुख्यालय से लगभग 60 किलोमीटर दूर एक गांव में शनिवार रात को यह घटना हुई है। पीड़िता के पति का चार साल पहले निधन हो चुका है और वह आजीविका के लिए गांव में ही अपनी झोपड़ी में छोटी दुकान चलाती है। वह अपनी छोटी बहन और दो बच्चों के साथ वहीं रहती है। बघेल ने शिकायत के हवाले से बताया कि शनिवार रात पीड़िता अपनी दुकान बंद कर झोपड़ी में सोने चली गई थी, तभी रात करीब दस बजे आरोपी वहां पहुंचे और पीने के लिए पानी मांगा। महिला के इंकार करने पर वे ज़बरदस्ती झोपड़ी में घुस आए और उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया। बलात्कार के बाद उन्होंने पीड़िता के निजी अंगों में लोहे के छड़ डाल कर उसे गंभीर रुप से घायल कर दिया। घटना के बाद अत्याधिक रक्तस्त्राव के कारण महिला बेहोश हो गई। उन्होंने बताया कि घटना के समय पीड़िता की 40 वर्षीय छोटी बहन और 16 व 18 वर्ष के दो बेटे घर ही थे। लेकिन वह मदद के लिये लोगों को नहीं बुला सकें क्योंकि उनकी

झोपड़ी गांव से अलग सुनसान जगह पर थी। बघेल ने बताया कि पीड़िता को उपचार के लिये पहले सीधी जिले के अस्पताल में भेजा गया वहां से उसे बेहतर इलाज के लिये पड़ोसी रीवा जिले के शासकीय अस्पताल में भेजा गया है। जहां चिकित्सकों द्वारा उसकी हालत सुधार के साथ खतरे से बाहर बताई गई है। उन्होंने बताया कि घटना के बाद पीड़िता की बहन ने गांव से एक आटो रिक्शा को बुलाया और पीड़िता को अमलिया पुलिस थाने लेकर आई, जहां से पीड़िता को सीधी के जिला अस्पताल में भेजा गया। बघेल ने बताया कि पुलिस ने शिकायत के बाद रविवार को ही चारों आरोपियों को हिरासत में ले लिया और उनसे पूछताछ की जा रही है। आरोपी और पीड़िता एक ही गांव के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि महिला के शिकायत पर भादवि की धारा 376 (बलात्कार) सहित अन्य सम्बद्ध धाराओं में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। इस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि सीधी की घटना में किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा, उन्हें जल्द सजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

सम्पादकीय

कौओं-परिंदों की चिंता

देश के सात से अधिक राज्यों में बर्ड फ्लू के कारण सैकड़ों पक्षियों का मरना या मारा जाना दुखद तो है ही, मानवता पर प्रश्नचिह्न भी है। बेजुबान पक्षियों में भी कौओं की बड़ी संख्या में मौत झकझोर रही है। कौओं की चिंता इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि अव्वल तो शहरों में उनकी संख्या बहुत घट चुकी है, गांवों में भी वे पहले की तरह नजर नहीं आते हैं। ऐसे में, उनकी मौत बाकी बचे हुए कौओं को मानव बस्तियों से बहुत दूर कर देगी। कौओं के साथ मानव बस्तियों का रिश्ता पुराना है। वे सदियों से सफाईकर्ता के रूप में हमारे आसपास से नाना प्रकार के जहरीले या अवांछित कीड़े-मकोड़ों को हटाते आए हैं। उनका हमारे पास न होना, हमारी सेहत के लिए भी खतरनाक है। कौओं की मौत की सूचना राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, केरल, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश से विशेष रूप से आ रही है। विशेषज्ञ जांच में लगे हैं, लेकिन सामान्य रूप से कौओं में बर्ड फ्लू का संक्रमण दूसरे पक्षियों से ही हुआ होगा। आमतौर पर कौओं को दूसरे पक्षियों, जंतुओं के शव खाते-उठाते देखा जाता है, इसी वजह से उनमें संक्रमण की गुंजाइश ज्यादा रहती है। इस बार ज्यादा आशंका यह है कि विदेशी पक्षियों के जरिए ही बर्ड फ्लू का देश में संक्रमण हुआ है। सर्दियों में बड़ी संख्या में विदेशी पक्षी भारत के ताल, तालाबों, खेतों में समय बिताने आते हैं। कुछ पक्षी तो यहां सर्दियों के समय चार से पांच महीने तक रहते हैं। ऐसे में, यह बहुत जरूरी है कि विदेशी पक्षियों की खास तौर पर निगरानी की जाए। ताल-तालाबों के आसपास नजर रखने के साथ ही साफ-सफाई के काम को मुस्तैदी से अंजाम देना होगा। यह वही मौसम है, जब किसी न किसी राज्य से बड़ी संख्या में पक्षियों की मौत की खबर आती है, अत- संबंधित महकमों और विशेषज्ञों को सचेत हो जाना चाहिए। बर्ड फ्लू अत्यधिक गंभीर संक्रामक और श्वसन रोग है, जो मनुष्यों में फैला, तो बहुत घातक स्वरूप में सामने आएगा। इस साल बर्ड फ्लू की ज्यादा चिंता करने की जरूरत है, क्योंकि कोरोना से तबाह अर्थव्यवस्था और झटके झेलने की स्थिति में नहीं है। प्रशासन को वाकई हाई अलर्ट पर रहना होगा। बर्ड फ्लू अर्थात एवियन इन्फ्लूएंजा के प्रकोप को रोकने के लिए अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों के दो-तीन किलोमीटर के दायरे में बत्तखों, मुर्गियों, पक्षियों आदि पर निगाह रखनी पड़ेगी। देश में जहां से भी बर्ड फ्लू की सूचना मिले, वहां सावधानी से उतने ही पक्षियों को मारना चाहिए, जितना बहुत जरूरी हो। जहां बर्ड फ्लू का संक्रमण नहीं हुआ है, वहां घबराने की जरूरत नहीं, पर सतर्क रहकर पक्षियों और उनकी गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए। जहां कौए हैं, वहां उनके लिए दाना-पानी की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि उन्हें अन्य पक्षियों-कीड़ों के शव के पीछे घात न लगाना पड़े। हमें पक्षियों के स्वास्थ्य के प्रति भी सजग होना चाहिए। भारत एक ऐसा देश है, जहां सदियों से मेहमान पक्षी आते रहे हैं, अत- भारत में प्रवासी पक्षियों के स्वास्थ्य के अलावा स्वदेशी पक्षियों की भी चिंता जरूरी है। विशेष रूप से मानव व मानव आबादी को पसंद करने वाले कौओं को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास जरूरी हैं। कौओं में भी कुछ प्रजातियां विरल हो चली हैं, बर्ड फ्लू के बहाने ही सही, उनके लिए संवेदना बढ़े, तो हम मनुष्यों का ही भला होगा।

कहीं लोगों का भरोसा डिग न जाए

देश में कोरोना टीके को लेकर चल रही राजनीति प्रत्याशित थी। इसकी शुरुआत 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव से ही हो गई थी, जब भारतीय जनता पार्टी ने अपने संकल्प पत्र में मतदाताओं को मुफ्त में कोरोना टीका देने की बात कही। इस वादे का उसे कितना चुनावी लाभ मिला, यह ठीक-ठीक बता पाना मुश्किल है, लेकिन सत्ता में उसकी वापसी कोरोना वैक्सीन पर संभावित सियासी टकराव का संकेत दे रही थी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा इसे भारतीय जनता पार्टी की वैक्सीन बताना, इसी की कड़ी है। हालांकि, बाद में उन्होंने सफाई भी दी, लेकिन तब तक विरोधी पार्टियां उन पर हमलावर हो चुकी थीं। साफ है, मतदाताओं को प्रलोभन देने के लिए वैक्सीन की राजनीति करना जितना गलत था, उसे खास पार्टी का टीका बताना उतना ही निंदनीय। मगर इसमें तीसरा पक्ष भी है। कुछ विपक्षी नेता स्वदेशी वैक्सीन की मंजूरी पर सवाल उठा रहे हैं। उनकी चिंता है कि तीसरे फेज का ट्रायल पूरा हुए बिना टीके का इस्तेमाल जोखिम भरा हो सकता है। इसे हम राजनीति नहीं कह सकते। चिकित्सक व महामारी विज्ञानी भी इस बाबत चिंता जता रहे हैं। लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और इसके लिए विपक्ष का आवाज बुलंद करना वाजिब है। सरकार की नीतियां अगर सही से काम नहीं कर रही हों, तो उस पर सवाल उठेंगे ही। संविधान ने तमाम दलों को ये अधिकार दे रखे हैं। पर विपक्ष का अति-उत्साहित होकर अपना यह दायित्व निभाना जन-विरोधी भी हो सकता है। उसे फूंक-फूंककर अपना कदम उठाना चाहिए, क्योंकि यदि लोगों के मन में एक बार शंका घर कर गई, तो फिर टीकाकरण अभियान पर इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है, और इसका नुकसान अंतत- आम जनता को ही होगा। विरोधियों को बेशक प्रश्न पूछने चाहिए, लेकिन किसी तरह के अविश्वास को खाद-पानी देने से उन्हें बचना चाहिए। यह बहुत बारीक रेखा है, जिसके लिए विपक्ष को सतर्क रहना होगा। इसका यह मतलब नहीं है कि सरकार की कोई जवाबदेही नहीं है। लोगों का भरोसा बनाए रखने के लिए उसे कहीं ज्यादा गंभीरता दिखानी होगी। सावधानी और सुरक्षा लाजिमी है, लेकिन सबसे जरूरी पारदर्शिता है। इसलिए सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि सुरक्षित ट्रायल के बिना टीके के इस्तेमाल की अनुमति क्यों दी गई है? ऐसी कौन सी मजबूरी है कि उसे यह जोखिम भरा कदम उठाना पड़ा? कहा जा रहा है कि कोरोना वायरस के लगातार म्यूटेट (रूप बदलने) करने और नए स्ट्रेन के बढ़ते संक्रमण की वजह से सरकार ने आनन-फानन में टीकों को मंजूर किया। क्या यही एकमात्र वजह है? हालांकि, अभी अपने यहां नए स्ट्रेन से संक्रमित मरीजों की संख्या 50 के आस-पास है, और इनके आइसोलेशन व ट्रेसिंग से संक्रमण थामा जा सकता है। या, सरकार यह साबित करना चाहती है कि 'आत्मनिर्भर भारत' परवान चढ़ चुका है और स्वदेशी वैक्सीन से टीकाकरण की शुरुआत करने में देश सक्षम है? ऐसे सवालों के ठोस जवाब सामने आने चाहिए। सरकार द्वारा अपनी मंशा और मकसद को जाहिर करना किस कदर तंत्र में लोगों का भरोसा बढ़ाता है, न्यूयॉर्क इसका एक बड़ा उदाहरण है। अमेरिका के सर्वाधिक आबादी वाले इस शहर के गवर्नर एंड्रयू क्योमो की आज इसलिए तारीफ हो रही है, क्योंकि उन्होंने कोरोना काल में हर अच्छी-बुरी खबरें लोगों से साझा कीं। उनका मंत्र यही था कि जनता को सब कुछ पता होना चाहिए; बिना उसकी मदद से कोरोना के खिलाफ जंग नहीं जीती जा सकती। यह एक बेहतरीन रवैया था। इस तरह के संवेदनशील मामलों में पारदर्शिता बहुत जरूरी होती है। जनता अगर यह समझती है कि सरकार उससे कुछ नहीं छिपा रही, तो तंत्र में उसकी भागीदारी स्वाभाविक तौर पर बढ़ जाती है। कोरोना संक्रमण-काल की नाजुकता से हर कोई वाकिफ है। यह सभी जानते हैं कि सरकार एक बड़ी चुनौती से मुकाबिल है। भारत जैसे बड़ी आबादी वाले देश में सबको टीका लगाना इतना आसान भी नहीं। हालांकि, अपने यहां टीकाकरण का बुनियादी ढांचा मौजूद है, जो एक राहत की बात है। हमने बड़े-बड़े टीकाकरण अभियान सफलतापूर्वक चलाए हैं। वैक्सीन के उत्पादन का हमारा अनुभव और क्षमता भी हमें कई देशों से बेहतर बनाता है। ऐसी स्थिति में सत्ता पक्ष और विपक्ष का आपस में उलझना हमें कई मोर्चों पर पीछे धकेल सकता है। हर लोकतांत्रिक देश में विभिन्न मुद्दों पर राजनीतिक दल आपस में गुत्थम-गुत्था होते रहते हैं। अमेरिका में तो जबर्दस्त खींचतान है। यूरोप में भी कुछ कम थी, लेकिन जब ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन खुद कोरोना-संक्रमित हुए, तब सरकार का रवैया बदल गया। अब वहां फिर से लॉकडाउन लगाया गया है और जनता भी सरकार का हरसंभव साथ दे रही है। लोग सरकार की मंशा भांप लेते हैं, इसलिए हर मुद्दों पर वे पारदर्शिता की अपेक्षा रखते हैं। अगर विपक्ष द्वारा कुछ वाजिब सवाल पूछे जा रहे हैं, तो सरकार को उतनी ही गंभीरता से जवाब देना चाहिए। इस संक्रमण-काल में सरकार के लिए कई नए मोर्चे खुले हैं और कई मोर्चों पर उसकी जंग लगातार जारी है। ऐसे में, चूक होने की आशंका भी स्वाभाविक है। और अगर कोई उस गलती की तरफ उसका ध्यान खींचता है, तो उसे उस पर गौर करना चाहिए। उसका यह व्यवहार कोरोना के खिलाफ जंग को मजबूत बनाएगा। प्रधानमंत्री चाहें, तो एक सर्वदलीय बैठक बुलाकर अपने इस रुख का परिचय दे सकते हैं। वह बंद कमरे में सभी राजनीतिक दलों के प्रमुख नेताओं से कोरोना संक्रमण के विस्तार, मंजूर किए गए दोनों टीकों के असर, टीकाकरण अभियान की चुनौती, सरकार की रणनीति जैसी तमाम बातें साझा कर सकते हैं। यकीनन इसका व्यापक असर होगा। मगर सवाल यह है कि कुछ मामलों में संवादहीनता को बतौर रणनीति इस्तेमाल करने वाली सरकार इस दिशा में आगे बढ़ेगी? इसका जवाब तो सत्ता पक्ष ही दे सकता है।

मेरी पहचान

अच्छाईयों की असंख्य परिभाषा का स्पर्श हूँ, या यूँ कहो निचोड़ हूँ धरती से आसमान तक फैली खूबसूरती का। संसार को समर्पित शृंगार हूँ, हर जीव के बीज को रक्षता नीड़ हूँ, पाहन सी कठोर कभी तो कभी फूलदल सी कोमल हूँ। वसुधा सी पावक धैर्य धरा का धरे सृष्टि का संतुलन हूँ, ऐश्वर्य हूँ, अर्धांगनी हूँ ममता की चौखट पर महकता वात्सल्य का झरना हूँ। क्षमा की क्षितिज हूँ, वो सत्य हूँ जो यमराज के चक्रव्यूह को छेद कर सरताज को वापस लाने का खुमार रखती है पाक हूँ उस आँगन की मिट्टी सी जिसे गूंद कर माँ दुर्गा की प्रतिमा संवरती है। कल्पना हूँ कवि मन में बसी गज़लों के मतलों की नींव हूँ या कमान हूँ उस धनुष की जिसे राम की हथेलियों ने छुआ था, सत हूँ सीता का, तो द्रौपदी के खुले केश का प्रण हूँ। वीरता का विहान हूँ छवि हूँ लक्ष्मी बाई की कभी, तो कभी मधर टेरेसा सी करुणा की मूरत हूँ, कालिदास के मन से उठा वैराग्य हूँ, अहल्या सी मूर्त भी हूँ तो कभी यशोधरा सी अड़ग हूँ। अतुल्य, अमूल्य आसमान सी हूँ, माँ के रुप में हर बच्चें को रक्षता वितान हूँ, धूप हूँ, छाया हूँ, बारिश की बूँद सी शीत हूँ समुन्दर की गहराई हूँ। शिवजी की जटा जिसका उद्गम है उस गंगा की धार सी गतिवान हूँ, संस्कृति हूँ, सभ्यता हूँ हर ग्रंथों का सार हूँ। मैं लज्जा की परतों में सिमटी नारी हूँ।

(भावना ठाकर,बेंगुलूरु) सभाव

ईश्वर में आस्था है फिर उसका मज़ाक क्यों?

इश्वर जिसने सारा जहां बनाया, प्राकृति बनाई , मनुष्य के लिए हर सुख-सुविधा प्रदान की, जिसे हम मानते हैं कि इश्वर सर्वोपरि है, कण-कण में विराजमान हैं ईश्वर, हमारे हर पल की खबर रखता है ईश्वर, इश्वर में आस्था रखते हुए भी, हम इश्वर का निरादर कर रहे हैं। इश्वर को मात्र एक सजावट की वस्तु बना कर के रख दिया है इन्सान ने, कभी गणेश विसर्जन के नाम पर ढेरों अनगिनत मुर्तियां बनाई जाती है जो बेची और खरीदी जाती है, फिर उन्हें विसर्जन के नाम पर कूड़े की तरह नदियों में ढेरों के ढेर बहा दी जाती है, आस्था तक तो ठीक है लेकिन केवल होड़ में एक दूसरे से बड़ी मूर्ति लाना और देखा-देखी सब का ही इस तरह की दौड़ में शामिल होना ना केवल पैसे की बर्बादी है अपितु इश्वर का भी अपमान है। कभी कोई अपने प्रोडक्ट की बिक्री के लिए भी ईश्वर का इस्तेमाल करने लगे हैं अपने प्रोडक्ट पर ईश्वर की तस्वीर छाप देना कहां की अक्लमंदी है, जब हम उस प्रोडक्ट या वस्तु का उपयोग करेंगे तो उसका कवर अर्थात उपरी आवरण कूड़े में नहीं फेकेंगे? कभी पटाखों पर ईश्वर की या मां लक्ष्मी की तस्वीर। एक तरफ तो दिवाली के दिन मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और दूसरी तरफ उसी मां लक्ष्मी की पटाखों पर बनी तस्वीर पटाखों के साथ जला दी जाती है। ये कैसी आस्था है इन्सान की ? कहीं चप्पल की बिक्री बढ़ाने के लिए उस पर भी इश्वर की तस्वीर लगा दी जाती है। जिस इश्वर की आप पूजा करते हो उसी को पैरों में चप्पल पर चिपकाया जाता है।

सवाह रे इन्सान तेरी फितरत, तेरा कैसा है ये रूप,
कभी कहे ठंडी छांव इश्वर को कभी कहे तपती धूपप्त

कभी उस ईश्वर को हम लाकेट बना कर गले डाल कर घूमते हैं, और कभी कार में पवनसुत को लटकाया जाता है, कभी चाबी के छल्ले में हम ईश्वर की बनी मुर्ति बांध लेते हैं। ये हमारी कैसी आस्था है ईश्वर के प्रति ? अगर हमें सबकुछ मिला तो ठीक ईश्वर तेरी कृपा है, कहीं कुछ कमी रह जाए तो ईश्वर निर्दयी है, क्यों इतना हमें बताता है, हम पर दया नहीं करता ईश्वर। क्या ईश्वर हमारे हाथों की कठपुतली है या हमारा कोई अलादीन के चिराग वाला जिन्न जो हमारी हर बात झट से पूरी करता रहे, और हमारे इशारे पर चलता रहे।

अगर ईश्वर में आस्था है तो उसका मज़ाक क्यों?

मौलिक एवं स्वरचित

प्रेम बजाज, जगाधरी (यमुनानगर)

ईश्वर में आस्था है फिर उसका मज़ाक क्यों?

इश्वर जिसने सारा जहां बनाया, प्राकृति बनाई , मनुष्य के लिए हर सुख-सुविधा प्रदान की, जिसे हम मानते हैं कि इश्वर सर्वोपरि है, कण-कण में विराजमान हैं ईश्वर, हमारे हर पल की खबर रखता है ईश्वर, इश्वर में आस्था रखते हुए भी, हम इश्वर का निरादर कर रहे हैं। इश्वर को मात्र एक सजावट की वस्तु बना कर के रख दिया है इन्सान ने, कभी गणेश विसर्जन के नाम पर ढेरों अनगिनत मुर्तियां बनाई जाती है जो बेची और खरीदी जाती है, फिर उन्हें विसर्जन के नाम पर कूड़े की तरह नदियों में ढेरों के ढेर बहा दी जाती है, आस्था तक तो ठीक है लेकिन केवल होड़ में एक दूसरे से बड़ी मूर्ति लाना और देखा-देखी सब का ही इस तरह की दौड़ में शामिल होना ना केवल पैसे की बर्बादी है अपितु इश्वर का भी अपमान है। कभी कोई अपने प्रोडक्ट की बिक्री के लिए भी ईश्वर का इस्तेमाल करने लगे हैं अपने प्रोडक्ट पर ईश्वर की तस्वीर छाप देना कहां की अक्लमंदी है, जब हम उस प्रोडक्ट या वस्तु का उपयोग करेंगे तो उसका कवर अर्थात उपरी आवरण कूड़े में नहीं फेंकेंगे? कभी पटाखों पर ईश्वर की या मां लक्ष्मी की तस्वीर। एक तरफ तो दिवाली के दिन मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और दूसरी तरफ उसी मां लक्ष्मी की पटाखों पर बनी तस्वीर पटाखों के साथ जला दी जाती है। ये कैसी आस्था है इन्सान की ? कहीं चप्पल की बिक्री बढ़ाने के लिए उस पर भी इश्वर की तस्वीर लगा दी जाती है। जिस इश्वर की आप पूजा करते हो उसी को पैरों में चप्पल पर चिपकाया जाता है।

सवाह रे इन्सान तेरी फितरत, तेरा कैसा है ये रूप,
कभी कहे ठंडी छांव इश्वर को कभी कहे तपती धूपप्त

कभी उस ईश्वर को हम लाकेट बना कर गले डाल कर घूमते हैं, और कभी कार में पवनसुत को लटकाया जाता है, कभी चाबी के छल्ले में हम ईश्वर की बनी मुर्ति बांध लेते हैं। ये हमारी कैसी आस्था है ईश्वर के प्रति? अगर हमें सबकुछ मिला तो ठीक ईश्वर तेरी कृपा है, कहीं कुछ कमी रह जाए तो ईश्वर निर्दयी है, क्यों इतना हमें बताता है, हम पर दया नहीं करता ईश्वर। क्या ईश्वर हमारे हाथों की कठपुतली है या हमारा कोई अलादीन के चिराग वाला जिन्न जो हमारी हर बात झट से पूरी करता रहे, और हमारे इशारे पर चलता रहे।

अगर ईश्वर में आस्था है तो उसका मज़ाक क्यों?

मौलिक एवं स्वरचित

प्रेम बजाज, जगाधरी (यमुनानगर)

अपराध मुक्त भारत, भारत फिर सोने की चिड़िया हो

भोपाल- हम सब भारत वासियों ने अपने पूर्वजों और बड़े बुजुर्गों से सतयुग के बारे में अक्सर सुने होंगे और वर्तमान युग को कलयुग के नाम से पुकारा या जाना जाता है। हम आज आध्यात्मिक क्षेत्र में से सतयुग की महिमा, प्रथाओं वर्णन भी प्रवचनकर्ताओं द्वारा सुनते हैं, परंतु इस सतयुग शब्द को नजरअंदाज कर देते हैं,जो कि अपने आप में एक बहुत बड़ा ज्ञान,सीख,प्रोत्साहन, छुपाया हुआ है। क्यों ना आज हम इस सतयुग के एक एलिमेंट को अपने जीवन का जीवनचर्या हिस्सा बनाकर हम सभी भारतीय अपने दिल में संकल्प के रूप में उतारने की कोशिश करें, वह एलिमेंट है... अपराध मुक्त भारत में यूं तो सतयुग भी परिकल्पना बहुत बड़ी है परंतु और हम अपराध मुक्त भारत की चाहना पर बल देंगे। आज, संपूर्ण विश्व के साथ-साथ भारत में भी आपराधिक घटनाएं, अपराधिक भावनाएं ,अपेक्षाकृत बढ़ी है।विश्व स्तर पर हम देखें तो 9/11, की वारदात मुंबई होटल अटैक ,अभी लाल ही के अमेरिका संसद का मामला इत्यादि और भारत की बात करें तो मुंबई बम धमाका और अनेक हिंसा वादी घटनाएं हुई है। आखिर क्यों? क्या चाहता है मनुष्य? क्यों ना हम एक ऐसी सोच की ओर बढ़े,जहां अपराध करने की प्रवृत्ति को छोड़ने को प्रेरित कर ,और हर भारतीय के मन में अपराध नहीं करने,अपराध नहीं होने देने के समर्थन, संकल्प और एक जज्बा दिल में आए, और वह न खुद कोई भी अपराध करें ,और ना ही किसी को अपराध करने दे। सब मिलजुल कर एक भारत एक परिवार वाली सोच पैदा हो।हर इंसान दूसरे इंसान को अपना परिवार का सदस्य समझे तो अपराध की प्रवृत्ति पूरी तरह से छूट, और समाप्त हो जाएगी और हमारा भारत उस सतयुग की ओर बढ़ने का एक कदम होगा।अगर हम देखें तो हर बुराई की पहली सीढ़ी अपराध है, चाहे वह छोटा हो या बड़ा यह अपराध ही इंसानियत की बर्बादी का कारण है। यह अपराध मुक्त भारत किसी एक के सोचने से नहीं होगा जबकि संपूर्ण भारत वासियों को इस सोच की ओर कदम बढ़ाना होगा। यदि अपराध मुक्त भारत हुआ तो समझो भारत फिर से सोने की चिड़िया कहलायेगा और सतयुग की बाकी सब एलिमेंट्स अपने आप इस मामले में आकर पिरोई जाएगी और वह एक माला होगी जिसमें संपूर्ण भारत वासी एक ही परिवार होगा और सब अपने लिए नहीं दूसरे के लिए जिएंगे आएगी सत्य जिस की बातें हम सदियों से सुनते आ रहे हैं इसलिए इसके निम्न सुझाव भी हैं जो हर भारतीय नागरिक को करने की ओर दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए।

बातें हम उपरोक्त प्वाइंटों में जोड़ सकते हैं पर महत्वपूर्ण बात, इनके अमल में लाने की जरूरत है ना कि सिर्फ परिकल्पना की, कहते हैं ना कि एक खराब आम घड़े के पूरे आमों को खराब कर देता है, बस यही प्रवृत्ति यहां भी लागू होती है। आपराधिक सोच व प्रवृत्ति वाले लोग 125 करोड़ की जनसंख्या वाले भारत देश में बहुत ही कम लोग हैं। जिसकी सोच अपराधिक प्रवृत्ति की है। यदि हम सब के मन में अपराध मुक्त भारत का भाव आ जाए, तो भारत सतयुग लोग में आ जाएगा।और फिर वही प्रथा चालू हो जाएगी कि आप कहीं भी अपने शहर से बाहर जा रहे हैं वह घर को ताला लगाकर जाने की जरूरत नहीं, घर खुला छोड़ कर जाइए यही स्थिति की यह परिकल्पना है,अपराध मुक्त भारत की याने सतयुग की, याने अपराध मुक्त भारत, याने भारत फिर सोने की चिड़िया।।

महेंद्र तिवारी
दैनिक नवनीत एक्सप्रेस
ग्वालियर,भोपाल एवं झाँसी

लोहड़ी और लोहडी गीत

लोहड़ी का पर्व खुशी का त्योहार है। ऋतु परिवर्तन की खुशी का पर्व है। जिस तरह से भारत के कुछ भागों में मकरसंक्रांति का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है लोहड़ी का पर्व पंजाब व पूरे भारत में हर्षोल्लास से मनाया जाता है। जहां-जहां भी पंजाबी बसे हैं भारत के विभिन्न शहरों, विदेशों में लोहड़ी का पर्व मकर संक्रांति से एक दिन पहले मनाया जाता है। सूर्य के ढलने के बाद रात में अलाव जलाकर पंजाबी उसके आसपास घूमकर गाते हुए ढोल के थापों पर नृत्य करते हैं व गुड और तिल से बने लड्डू आदि का वितरण किया जाता है। लोहड़ी के एक दिन बाद सूर्य कर्क राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है- माघ मकर जब रवि मग होई। तीरथ पतहि आव सब कोई।। - तुलसीदास। प्रयाग इलाहाबाद, नासिक हरिद्वार में कुंभ लगता है। तो पंजाब में लोहड़ी मनाई जाती है। सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण होने लगते हैं। कड़ाके की ठण्ड की विदाई होने लगती है। रात में जलाए गए अलावों के पास लोग इकट्ठा होते हैं और नाचते हुए गाते हैं-सुंदरी मुन्दरिए हो, तेरा कौन विचारा हो दुल्ला भट्टी वाला हो, दुल्ले धी बिहायी हो कुड़ी दा शालू पाटा हो, शालू कौण समेटे हो चाचे चूरी कुट्टी हो, जिमीदारां लुट्टी हो जिमीदार सधाए, गिण-गिण पोले लाए हो इक पोला रह गया, सिपाही पकड़ के ले गयासिपाही ने मारी इट, भावं रो ते भांवे मिट।। लोहड़ी के संबंध में प्रचलित लोककथा के अनुसार वर्षों पहले पंजाब के गांजीबार क्षेत्र(अब पाकिस्तान में) रहने वाली एक ब्राह्मण सुंदरी पर मुस्लिम शासकों की नजर पड़ी तो वे उसके अप्रतिम सौंदर्य पर मोहित होकर रह गए और उसे प्राप्त करने के लिए उसके पिता पर दबाव डालने लगे। स्वाभिमानी पिता व पुत्री गंजीबार जंगल में रहने वाले मुसलमान डाकू दुल्ला भट्टी के पास पहुंचे और उनसे अपनी व्यथा कहकर सहायता की गुहार की ।भट्टी ने रातोंरात ब्राह्मण लड़का तलाश कर सुंदरी के सात फेरे करा दिए। उस दिन दुल्ला भट्टी के पास लूट के माल की बजाय शक्कर और तिल ही था जिसे उसने सुंदरी के दुपट्टे में दुल्ला ने बांध दिया। इस घटना के बारे में पता चलने पर शाही सेना ने गंजी वार पर चढ़ाई र दी।दुल्ला भट्टी और इस क्षेत्र की जनता ने शाही सेना का डटकर मुकाबला किया और दुश्मनों पर जीत हासिल कीजीत की खुशी में गंजीबार क्षेत्र की जनता ने आग के बड़े-बड़े अलाव जलाए और तभी से लोहड़ी पर्व का आयोजन होता चला आ रहा है। लोहड़ी के दिन दुल्ला भट्टी का गीत भीखास तौर पर लोकप्रिय है। घर-घर में लोहड़ी मांगते समय यह गीत गाया जाता है। और गाना पूरा होने के बाद जब भेट देने के लिए कोई दरवाजा नहीं खोलता तो उन्हें रिझाने के लिए कई युक्तियां काम में लाई जाती हैं जैसे-पा माई पा, काले कुत्ते नू वी पाकाला कुत्ता देवे दुआवांतेरियां जीण मझा-गांवा।लोहड़ी के दिन घर के बुजुर्ग अग्नि को तिल, मक्का, गुड इत्यादि अर्पित करते हैं और उसके बाद सगे-संबंधी और परिचित ढोल की थाप पर भंगड़ा करते हैं।लोहड़ी की रात को घी और चावल की खिचड़ी चंद्रमा की रोशनी में रखी जाती है व संक्रांति के दिन स्नान के पश्चात खाई जाती है। ऐसी धारण है कि खीर व खिचड़ी चंद्रमा की रोशनी में रात भर रखकर खाने से आंखों की ज्योति बढ़ती है। इस बार 2020 में कोरोना के कारण सामूहिक रूप से लोहड़ी का त्यौहार मनाने का रोक लगाई गई फिर भी इस बार भी 13 जनवरी को लोहड़ी का त्यौहार पूरे भारत में धूमधाम से मनाया जाएगा।

नाम-शिवम् सिंह-कानपुर

आज का प्यार

तेरे बिना तो मैं सब कुछ छोड़ सकता हूँ,
इक तू ही को छोड़ मैं सबको तोड़ सकता हूँ,
जिसने दिया है जन्म अब वो क्या करेंगें,
अगर तू ही न रही तो हम क्या करेंगें;
क्योंकि तूने ही दिया है मुझे जीने का सहारा,
नही तो इस उम्र में अकेले रहता बेचारा;
अब तू जो भी कहेगी वो मैं कर सकता हूँ,
तेरे बिना तो मैं सब कुछ छोड़ सकता हूँ...
2.जाँ से भी ज्यादा तुझे चाहता हूँ मैं,
अब माँ को नहीं बस तुझको माँगता हूँ मैं,
माँ का साया है अब कुछ दिन के लिए ,
लेकिन तू तो है अब हर पल के लिए;
जरा सी भी गलती हो तो मुझे माफ़ कर देना,
मैंने सब कुछ है छोड़ा मुझे खाक मत कर देना;
अगर तू नही रहती है तो काँपता हूँ मैं,
जाँ से भी ज्यादा तुझे चाहता हूँ मैं...
3.रब चाहे या न चाहे अब तुझको मैं अपना बनाऊँगा,
अब मैं तुझको दिन का नही दिल का सुनाऊँगा;
बहुत दिनों तक मैंने इन्तजार किया है,
हाँ मैंने प्यार किया है , मैंने प्यार किया है;
जो भी होगा अब देखा जाएगा,
लेकिन तेरे बिना तो अब मैं रह नही पायेगा;
अब तेरे लिए तो मैं दुनिया छोड़ जाऊँगा,
रब चाहे या न चाहे अब तुझको मैं अपना बनाऊँगा...

पं. सुजीत शर्मा(शिक्षक)

पहले करोना अब बर्ड फ्लू, करेला ऊपर से नीम चढ़ा

वर्ष 2020,21 में भारत जैसे विकाशसील देश की अर्थ व्यवस्था को पहले करोना ने अरबो रुपयों नुकसान में धकेला है7 अब बर्ड फ्लू जैसी संक्रामक बीमारी पोल्ट्री फॉर्म के व्यवसायियों को करोडो के नुकसान की चोट देनेवाली है 7इससे पूर्व भी बर्ड फ्लू ने भारत में कहर बरपा था,मुर्गियों को जमीं में दफनाना पड़ा था,और इसके व्यापारी करोड़ों का नुकसान झेल कर सड़क पर आ गये थे7 इसी तरह करोना ने देश की अर्थ व्यवस्था को तहस नहस कर दिया था7 अर्थ व्यवस्था को दुबले पर दो आषाढ जसी स्तिथि बन गयी है,बर्ड फ्लू स्वास्थ विभाग के हिसाब से करोना 2 से ज्यादा संक्रामक और खतरनाक मि है और तेजी से फैलाने वाली भी, इससे देश को दुगुना सतर्क रहने की आवश्यकता होगी7करोना 2 के भयानक संक्रमण कॉल और शीतलहर के बीच ठंड में कोरोना संक्रमण की दूसरी पारी फिर से यत्र तत्र सर्वत्र फैली हुई है 7 जिसने पहले ही संपूर्ण विश्व में मृत्यु और बीमारी का तांडव कर लाखों लोगों को मौत के घाट उतार दिया है7 वर्ष 2020 को आने वाली कई सदी और उसके बाद कई पीढ़ियां एक त्रासदी वर्ष के रूप में याद करेगी7यह वर्ष निसंदेह आर्थिक सामाजिक एवं धार्मिक त्रासदी का रहा है7 किसी वैज्ञानिक किसी अनुसंधान कर्ता या बड़ी-बड़ी दवाई की कंपनियों ने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि न दिखाई देने वाली यह बीमारी इतने बड़े शत्रु के रूप में मानवता का संहार करेगी7 इस बीमारी कोविड-19 करोना की गिरफ्त में कई देशों के प्रधानमंत्री,राष्ट्रपति,वैज्ञानिक अनुसंधानकर्ता, शासक, प्रशासक, डॉक्टर, नर्स, समाजसेवी या तो बीमार रहे या ईश्वर को प्यारे हो गए7 ऐसी परिस्थितियों में विश्व के सारे राष्ट्र राग द्वेष भूलकर इसकी रोकथाम के लिए वैक्सीन के अनुसंधान में जुड़ गए, पर आज दिनांक तक कोई भी देश या दवाई की कंपनी और उसके वैज्ञानिक यह दावा करने में सक्षम नहीं है की वह सर्वाधिकार सुरक्षित वैक्सीन का इजाद कर चुके है, अभी भी पूर्ण सुरक्षित रेक्सीन आने में 1 से 2 माह लग सकते हैं या और भी ज्यादा, ऐसे में मानव को खुद की सुरक्षा का बीमा या जिम्मा स्वयं खुद को लेना होगा, अन्यथा करोना तो सामने खड़ा ही है प्राण पखेरू उड़ाने के लिए, करोना से मृत्यु वैश्विक स्तर पर इतनी ज्यादा हो गई थी कि कब्रिस्तान और मरघट घाट भी लोगों के लिए कम पड़ चुके थे, अथक प्रयास करने से कुछ देशों में कोविड-19 की रफ्तार कुछ कम हुई थी,पर शीत काल के आते ही इसकी रफ्तार फिर तेज हो गई है7 ऐसे में वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन की गाइडलाइंस का अनुपालन करने के अलावा कोई रास्ता ही शेष नहीं रह गया है7 वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन की गाइड लाइन निरंतर लोगों के बीच 2 गज दूरी मास्क लगाना जरूरी, लगातार हाथ धोने की आवश्यकता एवं अनावश्यक भीड़ में न जाकर एकांतवास रहने की सलाह देती रही है, भारतीय परिपेक्ष में स्थिति अत्यंत भयावह हो गई है7 इसी तरह बर्ड फ्लू पर काबू नहीं पाया गया तो सरे पक्षियों को उनकी जान का खतरा बन सकता है,मुर्गी, कौए अन्य पक्षी बुरी मौत मरे जाने की आशंका हो सकती है, इसलिए जिम्मेदार नागरिक बने रहें है और लोगों को समझाइए, जान है तो जहान है, वरना आगे मौत का आह्वान है।

संजीव ठाकुर.
लेखक कथाकार, रायपुर, छत्तीसगढ

गुड लक जैरी

जाह्नवी कपूर ने चुराया सारा अली खान का डायरेक्टर

अदाकारा जाह्नवी कपूर ने अपनी अगली अपकमिंग फिल्म गुड लक जैरी का पहला लुक फैंस के साथ शेयर किया है। इस फिल्म में वो निर्देशक आनंद एल राय के साथ काम करने वाली हैं। बॉलीवुड फिल्म अदाकारा जाह्नवी कपूर ने हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म गुड लक जैरी का ऐलान किया है। इसके साथ ही अदाकारा ने अपना फर्स्ट लुक भी फैंस के साथ शेयर किया है। शेयर किए गए फर्स्ट लुक में एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर पटियाला सूट पहने बिल्कुल पंजाबी कुड़ी के अवतार में दिख रही हैं। बता दें कि इस फिल्म को निर्देशक आनंद एल राय के प्रोडक्शन में बनाया जा रहा है। फिल्म के निर्देशक सिद्धार्थ सेनगुप्ता हैं। जबकि इस फिल्म में सारा अली खान के साथ दीपक डोबरियाल, मिता वशिष्ठ, नीरज सूद और सुशांत सिंह अहम भूमिकाओं में हैं। ये फिल्म सुपरहिट तमिल फिल्म कोलामावु कोकिला की हिंदी रीमेक हैं। फिल्म में अदाकारा जाह्नवी कपूर तमिल लेडी सुपरस्टार नयनतारा के रोल को निभाते हुए दिखने वाली हैं। फिल्म में जाह्नवी कपूर लीडिंग रोल में हैं। इस फिल्म में उनका किरदार एकदम सिंपल आम भारतीय लड़की का है। फिल्म का फर्स्ट लुक आप यहां देख सकते हैं। बता दें कि निर्देशक आनंद एल राय इन दिनों अपनी फिल्म अतरंगी रे की शूटिंग में बिजी हैं। इस फिल्म में वो अदाकारा सारा अली खान के साथ काम कर रहे हैं। जबकि उनके साथ लीड रोल में तमिल सुपरस्टार धनुष और एक्टर अक्षय कुमार भी हैं। इस फिल्म की शूटिंग का शिड्यूल हाल ही में उत्तर प्रदेश के आगरा में पूरा हुआ है। इसी बीच निर्देशक आनंद एल राय ने अपने प्रोडक्शन की दूसरी फिल्म का ऐलान कर दिया हैं जिसमें जाह्नवी कपूर लीड रोल में दिखाई देंगी। अदाकारा जाह्नवी कपूर इन दिनों अपनी फिल्म दोस्ताना 2 में बिजी हैं। इस फिल्म में वो एक्टर कार्तिक आर्यन के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा एक्ट्रेस राजकुमार राव स्टारर फिल्म रुही आफ्जान में भी नजर आने वाली हैं।

सामने आया फिल्म का फर्स्ट लुक

सिंघम 3: अजय के साथ भिड़ेंगे जैकी, अक्षय कुमार

रोहित शेट्टी ने अपने कॉप यूनिवर्स की शुरूआत अजय देवगन की सिंघम के साथ की थी, जो बॉक्स ऑफिस पर सफल साबित हुई थी। इसके बाद उन्होंने रणवीर सिंह के रूप में दर्शकों को सिम्बा जैसा पुलिस ऑफिसर दिया, जिसने उनका खूब मनोरंजन किया और अब रोहित शेट्टी ने अपने कॉप यूनिवर्स में अक्षय कुमार की एंट्री करा दी है, जो जल्द ही सूर्यवंशी बनकर सिनेमाघरों में धमाकेदार एंट्री मारेंगे। अक्षय कुमार की सूर्यवंशी काफी लम्बे समय से रुकी पड़ी है क्योंकि भारत में कोरोना का प्रकोप खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। ट्रेड एक्सपर्ट्स की मानें तो रोहित शेट्टी की सूर्यवंशी होली तक रिलीज हो सकती है। फिल्म सूर्यवंशी से दर्शकों को जबरदस्त एंटरटेनमेंट की उम्मीद है क्योंकि इसके अंत में रोहित शेट्टी सिंघम और सिम्बा की एंट्री कराएंगे। अगर सूर्यवंशी से सामने आई ताजा रिपोर्ट की मानें तो सुनने में आ रहा है कि जैकी श्रॉफ इसमें सबसे खतरनाक खलनायक बनकर उभरेंगे। फिल्म में नजर आने वाली सभी आतंकवादी गतिविधियां उन्हीं के दिमाग की उपज होगी लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि अक्षय कुमार, अजय देवगन और रणवीर सिंह मिलकर भी जैकी को मार नहीं पाएंगे। अगर आप सोच रहे हैं कि अगर फिल्म का खलनायक नहीं मरेगा तो फिर फिल्म पूरी कैसे होगी ? तो हम आपको बता दें कि फिल्म सूर्यवंशी के अंत में अक्षय कुमार इस केस को अजय देवगन के लिए ट्रांसफर करेंगे और यही रोहित शेट्टी की सिंघम 3 की कहानी होगी। बॉलीवुड हंगामा ने अपनी ताजा रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी है कि रोहित शेट्टी ने सिंघम 3 के लिए यही ग्रैंड प्लान बनाया है। रोहित शेट्टी और अजय देवगन कब तक सिंघम 3 की शूटिंग शुरू करेंगे यह अभी तक साफ नहीं है क्योंकि वो इस समय सर्कस की शूटिंग में व्यस्त हैं और इसके बाद वो गोलमाल सीरीज की नई फिल्म शुरू करेंगे। वैसे आपको सिंघम 3 के लिए रोहित शेट्टी की प्लानिंग कैसी लगी, हमें कमेंट कर-के जरूर बताएं।

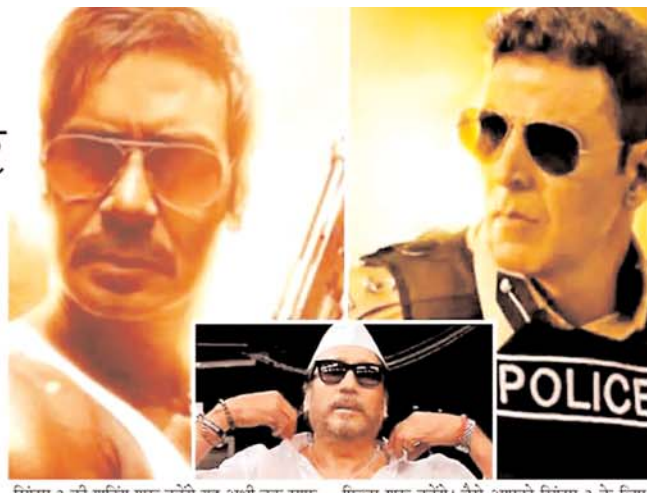

इरफान के बेटे बाबिल रखेंगे फिल्म और एक्टिंग की दुनिया में कदम

बाबिल अक्सर सोशल मीडिया पर अपने दिवंगत पिता इरफान खान से जुड़ी पोस्ट शेयर करते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने एक बुक की फोटो पोस्ट की जो इरफान खान की थी। इस बुक का नाम है, एक्टर्स ऑन एक्टिंग। इस किताब को टोबी कोल और हेलेन रिच चिर्नोय ने एडिट किया है और बाबिल ने बुक की फोटो शेयर करते हुए लिखा है, उधार के लिए। इस किताब पर इरफान खान द्वारा एक नोट लिखा है, इरफान, न्यूयॉर्क, द नेम सेक के लिए। बाबिल ने इस किताब के लिए कहा है कि यह अब तक की सबसे बेस्ट किताब है। एक फैन ने इस पोस्ट पर प्रश्न करते हुए बाबिल से पूछा- आप एक्टिंग की दुनिया में कब कदम रखेंगे? इस पर बाबिल ने कहा, मैं एक्टिंग की फील्ड में जाने के लिए तैयार हूं। मैं कब फिल्म में नजर आऊंगा, यह एक सवाल है। जब मई में मैं ग्रेजुएट हो जाऊंगा तो मैं फिल्म ऑफर्स देखने शुरू कर दूंगा।पिता की बर्थ एनिवर्सरी पर उनके बेटे बाबिल ने भी बेहद भावुक संदेश लिखा था। बाबिल ने एक पुराना वीडियो शेयर किया था, जिसके साथ लिखा था, आपने कभी जन्मदिन या फिर शादी जैसी चीजों के सेलिब्रेशन को लेकर महत्व नहीं दिया। इसीलिए मैं कभी किसी का जन्मदिन याद नहीं रखता, क्योंकि आपने कभी मेरा जन्मदिन याद नहीं रखा या न ही मुझे प्रोत्साहित किया कि मैं आपके बर्थडे को याद रखूं। हमारे लिए जन्मदिन भी हर दिन की तरह ही एक सामान्य दिन हुआ करता था। हम हर दिन को ही सेलिब्रेट करते थे। इस मौके पर मां हम दोनों को ही याद दिलाती थीं, लेकिन आज मैं आपके जन्मदिन को कोशिश करके भी भूल नहीं पा रहा। आज आपका बर्थडे है बाबा।

साान्या के लिए 2020 संतोषप्रद रहा

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने काफी व्यस्तताओं के बीच अपने नए साल मनाया है। हालांकि, साल 2020 भी काम के मामले में उनके लिए काफी बेहतर साबित हुआ है। सान्या ने कहा ?कि पेशेवर तौर पर साल 2020 मेरे लिए काफी संतोषप्रद रहा है और मैं इसके लिए खुद को खुशकिस्मत समझती हूं। साल 2020 का वह अनिश्चितकालीन दौर काम के मामले में कम से कम मेरे लिए अच्छा रहा है। मुझे खुशी है कि मेरी दोनों ही फिल्मों लूडो और शकुंतला देवी को दर्शकों से खूब प्यार मिला है। उन्होंने आगे कहा, साल 2020 में भी मैं दो बड़े प्रोडक्शन हाउस (धर्मा और रेड चिलीज एंटरटेनमेंट) के साथ काम कर रही हूं और इस साल मेरी तीन फिल्में आने वाली हैं। इस मौके को पाकर मैं बेहद आभारी हूं। मैं अपनी आगामी फिल्मों के लिए तैयारी और शूटिंग के बीच ही नए साल की शुरूआत कर रही हूं। बता दें ?कि साल 2020 में सान्या की दो फिल्में लूडो और शकुंतला देवी ओटीटी पर रिलीज हुई थी। वर्तमान में सान्या फिल्म मीनाक्षी सुंदरेश्वर, लव हॉस्टल और पगलेट की तैयारियों में व्यस्त हैं।

म्यूजिक वीडियो में मधुबाला किरदार निभाएंगी उर्वशी

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला जल्दी ही क्लासिक गीत एक लड़की भीगी भागी सी के रीक्रिएटेड वर्जन के म्यूजिक वीडियो में बॉलीवुड के दिग्गज दिवंगत अभिनेत्री मधुबाला का किरदार निभाएंगी। वह इस अवतार को जीवंत करने की कोशिश करेंगी। उर्वशी ने कहा कि यह वास्तव में मेरे सपनों में से एक की तरह है। सौंदर्य आइकन मधुबाला जी के जूतों में कदम रखना और एक लड़की भीगी भागी सी में उनके क्लासिक गीत में रिक्रिएट वर्जन में आने के लिए उत्साहित हूं। मैं किशोर कुमार सर के मूल आवाज के साथ अपनी आवाज देने को तैयार हूं। मेरे लिए इस साल की शुरूआत धमाकेदार रही। उन्होंने आगे कहा कि मधुबाला जी एक आइकन थीं, जिन्होंने न केवल अपनी उत्कृष्ट सुंदरता के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, बल्कि स्क्रीन पर कुछ गहरी भावनाओं को प्रस्तुत भी किया। उन्होंने अपनी उल्लेखनीय अभिनय कौशल और कालातीत सुंदरता के साथ एक अलग छाप बनाई है।

डॉक्टर का किरदार निभाकर संतुष्ट हैं रेणुका

बॉलीवुड अभिनेत्री रेणुका शहाणे ने आगामी वेब सीरीज स्टार्टिंग ट्रबल में एक डॉक्टर की भूमिका निभाई है। सीरीज में डॉक्टर का किरदार निभाकर अभिनेत्री काफी गर्वान्वित महसूस कर रही है। रेणुका ने बताया कि डॉक्टर निर्विवाद रूप से सभी के जीवन में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। मैं इस मेडिकल नाटक में डॉक्टर की भूमिका निभाने को लेकर गर्व महसूस कर रही हूं। वेब सीरीज स्टार्टिंग ट्रबल एक मेडिकल कॉमेडी ड्रामा है, जो डॉ. जगदीश चतुर्वेदी के इर्द-गिर्द घूमती है, एक ऐसा व्यक्ति जिसका दिल अभिनय की दुनिया में आता है, हालांकि वह एक डॉक्टर बन जाता है। यह डॉ. चतुर्वेदी की आत्मकथा इन्वेटिंग मेडिकल डिवाइसेस पर आधारित है।

गौहर खान को ऐसे मिला तांडव में मैथिली का रोल...नहीं देना पड़ा ऑडिशन

25 दिसंबर 2020 को जैद दरबार के साथ शादी के बंधन में बंधीं एक्ट्रेस गौहर खान खासी व्यस्त हैं। गौहर 15 जनवरी को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो रही वेब सीरीज तांडव में मैथिली शरण के किरदार में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा भी वो कुछ प्रोजेक्ट्स में काम कर रही हैं। तांडव, करियर और शादी के बाद जिंदगी में आए बदलावों पर गौहर ने दिए जवाब।

- **सवाल : करियर और व्यक्तिगत जीवन दोनों के लिहाज से इस साल आपकी नई शुरूआत हुई है, क्या उम्मीदें हैं ?**
- **जवाब :** सभी की तरह पिछले साल की पहली छमाही मेरे लिए भी काफी मुश्किल रही, लेकिन दूसरी छमाही मेरे लिए शानदार रही। इस साल एक नई उमंग और नए जज्बे के साथ काम करने की उम्मीद है। हमेशा की तरह इस साल भी मैं अपने लिए एक शानदार सफर देखती हूं।
- **सवाल : शादी के बाद जीवन में कुछ बदलाव महसूस हुए ? जिम्मेदारियां बढ़ी होंगी...**
- **जवाब :** मैं कोई खास बदलाव नहीं महसूस कर रही हूं। शादी के बाद भी जिंदगी उतनी ही अच्छी, स्थिर और कामयाब होती दिख रही है। मेरे शौहर बहुत ही समझदार इंसान हैं। एक ही इंडस्ट्री से होने के कारण हम दोनों एक-दूसरे के काम को समझते हैं। हम एक-दूसरे को बेहतर करने के लिए प्रेरित करते हैं। जहां तक जिम्मेदारियों की बात है मेरी तो पूरी जिंदगी ही जिम्मेदारी से भरी रही है। मेरा परिवार और मेरे जीवन के लक्ष्य, यह सब मेरी जिम्मेदारियों का ही हिस्सा रहे हैं। शादी के बाद मुझे कुछ नया सा नहीं लग रहा। मुझे खुद पर यकीन है कि मैं सब कुछ संभाल सकती हूं।
- **सवाल : तांडव शो कैसे मिला ?**
- **जवाब :** इसके लिए मुझे कास्टिंग एजेंसी का फोन आया था। मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी, लेकिन मुझे इसके बारे में ज्यादा जानकारी चाहिए थी। फिर निर्देशक अली अब्बास जफर ने स्वयं मुझे फोन करके कहा कि मैथिली के किरदार में मैं तुम्हें देखता हूं। तुम्हें कोई ऑडिशन देने की जरूरत नहीं है। अपने ऊपर उनका इतना भरोसा देखकर मैंने स्क्रिप्ट या बाकी किरदारों पर कोई ध्यान नहीं दिया और पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ी। फिर मुझे पता चला कि इस शो में सैफ अली खान, डिंपल कपाड़िया, सुनील ग्रोवर और मोहम्मद जीशान अयूब जैसे मंझे कलाकार हैं, तो मुझे अपने निर्णय पर काफी खुशी हुई।
- **सवाल : व्यक्तिगत जीवन में आप तांडव मूड में कब आती हैं ?**
- **जवाब:** जब मुझे किसी के साथ कुछ गलत होते हुए दिखता है या किसी की कुछ गलत आदतें नजर आती हैं। बिग बॉस के घर में मेरा यह स्वभाव लोगों के सामने आ चुका है।
- **सवाल : डिंपल कपाड़िया के साथ शूट करते वक्त क्या आपके लिए कोई फैन मोमेंट भी रहा ?**
- **जवाब :** जब भी मैंने उनके साथ स्क्रीन साझा किया, वो हर लम्हा मेरे लिए फैन मोमेंट रहा। उनको देखकर मैं तो हमेशा मुस्कुराती ही रहती थी। वह बहुत ही विनम्र हैं। इस शो में मैं उनकी सेक्रेटरी का किरदार निभा रही हूं। शूट करते वक्त वह हर बारीकी पर पूरा ध्यान देती थीं और गलती दिखने पर सुझाव भी देती थीं। वो अपने किरदारों में हर चीज परफेक्ट चाहती हैं। फिर वह लाइट हो या मेकअप हो या उनकी लाइनें। वह सेट पर इतनी तैयारी से आती हैं कि उनसे एक लाइन भी नहीं छूटती। मुझे सैफ अली खान भी बहुत पसंद हैं। वह बहुत ही शांत और प्यारे इंसान हैं। नवाब होने के कारण उनकी अपनी एक अलग शैली है।
- **सवाल : बिग बॉस 14 के शुरूआती एपिसोड में आप बतौर सीनियर रहीं। मौजूदा स्थिति में किसका गेम बेहतर देखती हैं ?**
- **जवाब :** शादी और काम की व्यस्तताओं के कारण मैंने पिछले कुछ दिनों से बिग बॉस नहीं देखा है। हालांकि जब मैं घर में थी तो मुझे बहुत मजा आया। मुझे लगता है कि इस सीजन में राहुल वैद्य और रुबीना दिलाइक काफी अच्छा गेम खेल रहे हैं।
- **सवाल : पिछले एक दशक में अपने करियर को किस दिशा में बढ़ता देख रही हैं ?**
- **जवाब :** मैंने हमेशा ही निडर होकर अपने प्रोजेक्ट्स का चुनाव किया। उनकी सफलता और असफलता दोनों ही मेरी व्यक्तिगत हैं। मैंने अपने दम पर अपना रास्ता तय किया है। यह दशक मेरे लिए बहुत ही शानदार रहा। मेरी आखिरी फिल्म बेगम जान के बाद डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर मेरे तीन शो आ चुके हैं। आगामी दिनों में मेरी दो वेब सीरीज की शूटिंग शुरू होने वाली है और एक फिल्म पूरी हो चुकी है।

| 25 साल में हुई 10 लाख मौत |

खतरा! भारत में कई सालों से आर्सेनिक तत्व फैला रहा कैंसर

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

भारत में पिछले कई साल से आर्सेनिक तत्व लोगों में कैंसर फैला रहा है। देश के 200 से भी अधिक शहरों में इसका खतरा है। बिहार के मुंगेर जिले की रहने वाले 70 साल की प्रियाब्रथ शर्मा भी इससे ग्रसित हैं। वह पिछले कई साल से बिस्तर पर ही हैं। उनका कहना है, 'मैं कई साल पहले पैरों से चलने में लाचार हो गई। मेरा निचला शरीर हिल नहीं सकता। मैं कुछ साल पहले दिल्ली के एम्स भी गई थी इलाज के लिए। वहां डॉक्टरों ने बताया कि मुझे आर्सेनिक संबंधी बीमारी है।' आर्सेनिक दक्षिण एशियाई देशों जैसे भारत, नेपाल और बांग्लादेश में भूमिगत पानी में प्राकृतिक रूप से पाया जाता है। आर्सेनिक के संपर्क में आने से फैलने वाली बीमारी उत्तर भारत के लोगों के लिए बड़ी चिंता का विषय है। अध्ययन बताते हैं कि भारत में 1 करोड़ लोग कैंसर फैलाने वाले तत्वों से युक्त भूमिगत पानी का इस्तेमाल करते हैं। इनमें से करीब 10 लाख लोगों को अस्पताल में इलाज कराने आना पड़ा है। गंगा नदी के किनारे रहने वाली प्रियाबथ शर्मा कहती हैं, 'डॉक्टरों ने मुझसे कहा है कि मैं कुएं या हैंडपंप का पानी ना पियूं। मेरे गांव खैरा बस्ती में 100 लोगों से अधिक कैंसर और उससे संबंधी जटिलताओं से जूझ रहे हैं। इसका कारण दूषित पानी है। अन्य लोगों के शरीर में चकत्ते पड़े हुए हैं। एक सिविल सोसायटी ग्रुप इनर वायस फाउंडेशन के सौरभ सिंह के अनुसार गंगा नदी के आसपास बसे उत्तर भारत के 200 शहरों में पीने के पानी में आर्सेनिक का खतरा है। पिछले 25 साल में करीब 10 लाख लोग आर्सेनिक के प्रभाव में आकर जान गंवा चुके हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 2019 में अपनी एक रिपोर्ट में जानकारी दी थी कि अप्रैल 2018 तक पश्चिम बंगाल के नौ जिलों, असम के 18 जिलों, बिहार के 11 जिलों , यूपी के 17 जिलों, पंजाब के 17 जिलों, झारखंड के 3 जिलों और कर्नाटक के दो जिलों में आर्सेनिक का प्रभाव पाया गया। हाल ही में हुई कुछ शोध में यह भी दावा किया गया है कि आर्सेनिक का प्रभाव भारतीयों पर सिर्फ भूमिगत पानी से ही नहीं, बल्कि भोजन से भी जुड़ा हुआ है। इससे बड़ी आबादी खतरे में है। अशोक घोष के अनुसार पका हुआ चावल भी आर्सेनिक का सबसे बड़ा स्रोत है। इसके बाद आलू और गेहूं हैं। आर्सेनिक युक्त पानी पीने से पेट का कैंसर, किडनी फेल, हृदय संबंधी बीमारी, फेफड़ों का कैंसर, मस्तिष्क संबंधी बीमारी, सांस संबंधी बीमारी और डायबिटीज का खतरा रहता है। आर्सेनिक का प्रभाव पहली बार पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश में देखने को मिला था। इसके बाद इसका प्रभाव गंगा नदी के किनारे बसे पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश, नेपाल के दक्षिणी हिस्से, बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, असम तक में पाया गया।

अध्ययन! कोरोना के मरीजों में 6 महीने तक रहते हैं लक्षण

नई दिल्ली। कोविड-19 के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती एक तिहाई से ज्यादा मरीजों में बीमार पड़ने के छह महीनों तक कम से कम एक लक्षण बना रहता है। यह पता चला है एक ताजा अध्ययन से। अध्ययनकताओं ने कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में आए 1,733 मरीजों में संक्रमण से पड़ने वाले दीर्घकालिक असर का अध्ययन किया। अध्ययन में चीन के जिन यिन तान अस्पताल के शोधकर्ता शामिल थे और इन लोगों ने मरीजों में लक्षण और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के लिए एक प्रश्नावली पर आमने सामने बात की। अध्ययन में यह भी बात सामने आई कि ऐसे मरीज जो अस्पताल में भर्ती थे और जिनकी हालत गंभीर थी, उनके सीने के चित्रों में फेफड़ों में गड़बड़ी पाई गई। वैज्ञानिकों का मानना है कि लक्षण दिखाई देने के छह माह बाद यह अंग के क्षतिग्रस्त होने का संकेत हो सकता है। ह्यचीन-जापान फ्रेंडशिप हॉस्पिटल इन चाइना' में नेशनल सेंटर फॉर रेस्पिरेटरी मेडिसिन में अध्ययन के सह-लेखक गिन काओ ने कहा, ''हमारे विश्लेषण से संकेत मिलता है कि अधिकांश रोगियों में अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद भी संक्रमण के कुछ प्रभाव रहते हैं, और यह अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद काफी देख भाल किए जाने की जरूरत को रेखांकित करता हैं, खासतौर पर उन लोगों को जो काफी बीमार थे। नवंबर-दिसंबर 2019 में कोरोना वायरस का संक्रमण चीन के वुहान से पूरी दुनिया में फैला। शोधकताओं के अनुसार सभी लोगों में मांसपेशियों की सामान्य दिक्कत पाई गई है। अध्ययन में शामिल 63 प्रतिशत लोगों ने मांसपेशियों में कमजोरी की शिकायत बताई। इनके अलावा एक और बात सामने आई कि 26 प्रतिशत लोगों को सोने में दिक्कत हो रही है।

तेजी से फैल रहा कोरोना का यूके स्ट्रेन भारत में 96 हुई संक्रमितों की संख्या

दुनिया अभी कोरोना से जूझ ही रही थी कि नए स्ट्रेन ने सबकी नाक में दम कर दिया है। हाल ही में स्वास्थ्य मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार भारत में कोविड-19 के यूके स्ट्रेन से संक्रमित व्यक्तियों की कुल संख्या 96 हो गई है। कोरोना वायरस लाखों जानें लेने के बाद भी मानों दुनिया भर के देशों का पीछा छोड़ने को तैयार नहीं है। ऐसा ही हाल भारत का है लेकिन इन दिनों कोरोना संक्रमण के दैनिक आंकड़े जरूर राहत की खबर दे रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, भारत में बीते 24 घंटों में कोविड-19 के 16,311 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 19,299 लोग ठीक होकर डिस्चार्ज हो गए हैं जबकि 161 की मौतें हुई हैं। फिलहाल भारत में कोरोना के कुल मामले 1,04,66,595, सक्रिय 2,22,526, ठीक हो चुके 1,00,92,909 जबकि मरने वालों का आंकड़ा 1,51,160 है।

पूर्व सरपंच ने किया बड़ा खुलासा

ISI की लड़कियां न्यूड होकर करतीं थीं बात भेजने लगा था सेना की जानकारी

जयपुर ■ एजेंसी

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के काले कारनामें किसी से छिपे नहीं है अब एक सनसनीखेज मामला उजागर हुआ है। सीमावर्ती इलाकों में जासूसी के लिए कई तरीके अपना रही है। राजस्थान के जैसलमेर में पोखरण रेंज से गिरफ्तार एक शख्स ने सनसनीखेज खुलासे किए हैं। इस शख्स का कहना है कि आईएसआई की ओर से लड़कियां उससे न्यूड होकर फोन पर बात करती थी। इस शख्स ने कहा है कि लड़कियों से बात करने और तस्वीरें देखने के चक्कर में वो ऐसा फंसा कि सेना की गोपनीय जानकारी उन तक भेजने लगा। सुरक्षा एजेंसियों ने इस मामले में राजस्थान के जैसलमेर के पोखरण फायरिंग रेंज के पास लाठी गांव से एक पूर्व सरपंच को गिरफ्तार किया है। आईएसआई की हनी ट्रैपिंग में फंसे इस व्यक्ति का नाम सत्यनारायण पालीवाल है। ये व्यक्ति इस इलाके का सरपंच रह चुका है। अब तक की जांच के अनुसार सत्यनारायण पालीवाल ने सेना की गतिविधियां समेत कई सामरिक सूचनाएं आईएसआई को पहुंचाई है। आरोपी ने आईएसआई की लड़कियों से बात करने के लिए सोशल मीडिया पर नकली अकाउंट बना रखा था।

इस अकाउंट से वह सूचनाएं आईएसआई को भेज रहा था। सीमावर्ती इलाकों में सोशल मीडिया पर निगरानी रखने वाली जांच एजेंसियों को इस अकाउंट पर पहले तो शक हुआ। इसके बाद उन्होंने इस अकाउंट की निगरानी बढ़ा दी। बाद में पता चला कि इस अकाउंट के जरिए कई संवेदनशील सूचनाएं भेजी जा रही थी, इसके बाद तुरंत जांच एजेंसियों ने इस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। जांच एजेंसियों ने आरोपी को जयपुर ले आया है। यहां पर राजस्थान की इंटेलिजेंस एजेंसियों के अलावा सेना की इंटेलिजेंस एजेंसियां भी इस व्यक्ति से पूछताछ कर रही है। आरोपी सत्यनारायण पालीवाल की भाई की पत्नी इलाके की सरपंच है। पुलिस इस व्यक्ति की और जानकारी इकट्ठा कर रही है।

न्यूज. ब्रीफ

ट्रंप को झटका, पीजीए चैंपियनशिप ने तोड़ा रिश्ता

कपालुआ, हवाई। निर्वतमान होने जा रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका लगा है। पीजीए अमेरिका ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के न्यूजर्सी गोल्फ कोर्स में पीजीए चैंपियनशिप का आयोजन नहीं करने का फैसला किया है। इस तरह से उसने ट्रंप से अपना रिश्ता भी तोड़ दिया। यह फैसला ट्रंप के समर्थकों के अमेरिकी संसद भवन कैपिटल पर हमला करने के चार दिन बाद लिया गया। जब हमला किया गया तब अमेरिकी कांग्रेस निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन की जीत की पुष्टि के लिये बैठक कर रही थी। यह पिछले पांच वर्षों में दूसरा अवसर है जबकि पीजीए अमेरिका ने ट्रंप के गोल्फ कोर्स से अपनी किसी प्रतियोगिता को हटाया। पीजीए अध्यक्ष जिम रिचर्डसन ने कहा कि न्यूजर्सी के बेडमिनिस्टर में स्थित ट्रंप नेशनल के साथ समझौता खत्म करने के अपने अधिकार का इस्तेमाल किया। पीजीए अमेरिका ने 2015 में ट्रंप की मैक्सिको के शरणार्थियों के लिये की गई अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में ट्रंप नेशनल लॉस एंजिल्स गोल्फ कोर्स से पीजीए ग्रैंडस्लैम ऑफ गोल्फ टूर्नामेंट को हटा दिया था।

घबराने की जरूरत नहीं हालातों पर नजर रखे हे दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सोमवार को कहा कि दिल्ली में अब तक केवल संजय झील इलाके से लिये गये बतखो के नमूनो मे बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। उन्होंने कहा कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है और चिंता की कोई बात नहीं है। दिल्ली से भोपाल की प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे गये आठ नमूनों में एवियन इन्फ्लुएंजा के संक्रमण की पुष्टि हुई। पशुपालन विभाग के डॉ राकेश सिंह ने बताया कि सभी आठ नमूनों में संक्रमण की पुष्टि हुई है जिनमें वार मयूर विहार फेस-3 के एक पार्क से, तीन संजय झील से और एक द्वारका से लिया गया था। सिसोदिया ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा, संजय झील की बतखों के नमूनों में ही बर्ड फ्लू के संक्रमण की पुष्टि हुई है। चिंता की कोई बात नहीं है। अन्य नमूनों की रिपोर्ट का इंतजार है।

गोहद क्षेत्र में चोरी का सिलसिला जारी

जैन मंदिर से चोरी कर चोरों ने की फायरिंग

गोहद -सोमवार एवं मंगलवार की दरम्यानी रात को अज्ञात चोरों द्वारा थाने से कुछ दूरी पर चंद्रप्रभु

दिगंबर जैन मंदिर इटायली गेट स्थित मंदिर के पिछवाड़े होते हुए तीन गेट के ताले तोड़ कर मंदिर में प्रवेश कर गए मंदिर से 5 चांदी की पंचमेरु एक छत्र पीतल का साथ ही दान पेटी से करीब 40-50 हजार रूपये , अलमारी में रखी चांदी कुल लगभग एक किलो चांदी ,इन्वेटर आदि (कुल लगभग एक लाख रुपए) चुरा कर ले गए ज्ञात रहे उक्त जगह पर पुलिस का हमेशा गश्त रहता है डायल 100 नंबर वहीं पर खड़ी होती है फिर चोरों के इतने हौसले बुलंद कैसे हो गई जैन समाज ने पुलिस को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है अगर पुलिस द्वारा चोरी का पर्दाफाश नहीं किया गया तो अनिश्चितकालीन के लिए बाजार बंद कर जैन समाज धरने पर बैठ जाएगा इसी रात्रि में ही नहर मोहल्ला निवासी अल्लादीन पुत्र शमशेर खान की दुकान से खाने पीने की सामग्री चुरा ले गये पुलिस द्वारा फिंगर प्रिंट एवं डॉग स्क्वायड ने घटनास्थल आकर निरीक्षण किया

इनका कहना है

चंद्र प्रभु जैन मंदिर में चौरी हुई है जिसके लिए पुलिस को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है कार्रवाई न होने पर **बाजार बंद कराया जाएगा -विवेक जैन गोहद**

जैन मंदिर में चोरी हुई है मामला दर्ज कर लिया गया है जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाएगी -नरेन्द्र **सोलंकी एसडीओपी गोहद**

सदिर जापारोव किर्गिस्तान के नए राष्ट्रपति निर्वाचित, साल 2017 में हुई थी जेल

मास्को। किर्गिस्तान के शीर्ष पद के लिए राष्ट्रवादी राजनेता सदिर जापारोव निर्वाचित हुए हैं। रविवार को हुए चुनाव में न केवल उन्हें जीत मिली है बल्कि राष्ट्रपति को और शक्तियां देने के लिए संविधान में बदलाव के जनमत संग्रह को भी मंजूरी मिल गई। अक्टूबर में पूर्व राष्ट्रपति के सत्ता से हटने के बाद चुनाव हुए हैं। उन्हें इस पद से हटाने के लिए हुए आंदोलनों के समय राष्ट्रवादी जापारोवा जेल से रिहा हुए थे। देश में विवादित संसदीय चुनाव के बाद से ही गतिरोध चल रहा था, उस चुनाव में सरकार समर्थित पार्टियों की जीत हुई थी। विपक्षी पार्टियों ने मतों के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए राष्ट्रपति सूरोनबई जीनबेकोव को 15 अक्टूबर को पद से हटने पर मजबूर कर दिया था। जापारोवा एक क्षेत्रीय गर्वनर के अपहरण के मामले में दोषी करार दिए गए थे जिसके बाद उन्हें 2017 में जेल की सजा हुई थी। किर्गिस्तान सोवियत संघ के विघटन के बाद अलग देश बना था।

श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर निर्माण का निधि समर्पण अभियान का हुआ शुभारम्भ

प्रभु राम के कार्य मे समाज को तन मन व धन से सहयोग करना चाहिए: रामभूषण दास महाराज

मोनू बाथम

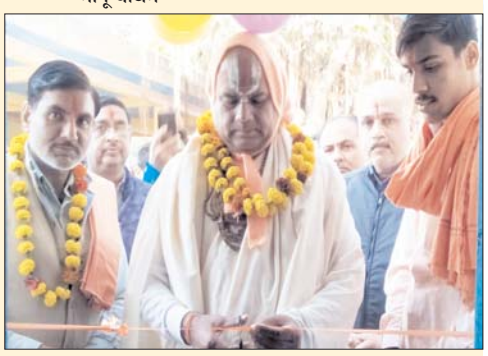

गोहद श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर तीर्थ क्षेत्र निर्माण के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा निधि समर्पण अभियान का शुभारंभ व कार्यलय का उद्घाटन शिव लहरी जग्गा में किया गया। कार्यालय का उद्घाटन सन्त श्री 1008 महामंडलेश्वर श्रीरामभूषण दास जी महाराज खनेता धाम के कर कमलों द्वारा किया गया। सन्त रामभूषण दास महाराज इस अभियान के खंड के संरक्षक हैं। महाराज जी ने अयोध्या धाम के इतिहास के बारे में बताया और रामलला की जन्मभूमि निर्माण में समाज को तन मन व धन से सहयोग करने का आह्वान किया इस अवसर पर महेंद्र सिंह तोमर खंड पालक, कमलेश गुप्ता खंड संयोजक, अरविंद भदौरिया और सभी राम भक्तों उपस्थित रहे। महाराज जी के कर कमलों से 11000 की समर्पण सम्मान निधि की रसीद काटकर संजय झा एवं राम भटेले द्वारा शुरुआत की गई।

चम्बल तट पर सामूहिक सूर्य नमस्कार

युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर चम्बल यशगान यात्रा परिवार द्वारा सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन चम्बल के तट पर चम्बल यशगान यात्रा परिवार द्वारा किया गया इस अवसर पर चम्बल यशगान यात्रा के संयोजक नीलेश शर्मा ने बताया की सूर्य नमस्कार करने से सम्पूर्ण शरीर का व्यायाम होता है इसलिए प्रत्येक युवा को प्रतिदिन बारह बार सूर्य नमस्कार करना चाहिए और तीस मिनट ध्यान और प्राणायाम करना चाहिए आज कोरोना वैश्विक महामारी से जो तनाव बढा है जनजीवन अस्त व्यस्त हुआ है तो आज दिनचर्या को फिर से व्यवस्थित करने में योग हमारा सबसे बडा पथ प्रदर्शक है करो योग रहो निरोग इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक श्री लाल जी ने शीर्ष आसन का प्रदर्शन किया और उपस्थित प्रधानाध्यापक सुघर सिंह जी ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला एक्स आर्मी मेन प्रताप फौजी ने फिजिकल एक्सरसाइज करवाई इस अवसर पर ब्रजेश शर्मा , सौरभ गुर्जर, नीलेश शर्मा, श्री लाल , सुघर सिंह शिक्षक साथी उपस्थित रहे। सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में हाथों को सेनेटाइज किया और सोसल डिस्टेंस का पूर्णतह पालन किया उक्त जानकारी चम्बल यशगान यात्रा के संयोजक नीलेश शर्मा ने दी।

15 वें अंतरराज्यीय क्रिकेट टूर्नामेंट महाकुंभ के दूसरे दिन महाराष्ट्र ने दिल्ली को हराया

दबोह(अर्पित गुप्ता)। पूर्व विधायक लहार विधायक डॉ.गोविन्द सिंह के पिता स्वर्गीय मथुरा सिंह फाउंडेसन समिति दबोह के तत्वाधान में 15 वाँ अंतराज्यीय क्रिकेट टूनामेंट का महाकुंभ 11 जनबरी से 17 जनबरी तक दबोह के शासकीय इंटर कॉलेज के मैदान पर खेला जा रहा है।कार्यक्रम में शुभारंभ के दूसरे दिन मुख्यातिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य दतिया रामकिंकर गुर्जर मौजूद रहे।विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व जनपद अध्यक्ष रामेश्वर दयाल कौरव,व कथावाचक पँडित रमाकांत व्यास मौजूद रहे तो वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता जनभागीदारी अध्यक्ष बीपी कौरव आलमपुर के द्वारा की गई।कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों के द्वारा सर्व प्रथम पूर्व मंत्री,लहार विधायक के पिता स्व.मथुरा सिंह के छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किये तथा आयोजन समिति के अध्यक्ष रमाशंकर चौधरी एवं सचिव चौधरी हाकिम सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय कराया तदोपरांत रामकिंकर गुर्जर ने कहा कि दबोह

जैसी जगह में इतना बड़ा आयोजन होना बड़े ही हर्ष का विषय है क्यों कि जिले में कई जगह स्टेडियम होते हुए भी वहां अंतरराज्यीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन नही हो पा रहा है और दबोह में स्टेडियम न होते हुए भी लगातार 14 वर्ष से यह खेल निरन्तर जारी है।दबोह में स्टेडियम बनाये जाने की बात पर उन्होंने कहा कि डॉ.गोविन्द सिंह मप्र के कद्दावर नेता है वह जल्द ही स्टेडियम बनवायेंगे।बीपी कौरव ने कहा कि कहा कि खेल हमारे जीवन का एक एहम हिस्सा है,यह हमारे शारीरिक एवम् मानसिक दोनो ही विकास का श्रोत है यह हमारे शरीर के रक्त परिसंचरण मे सहायक है,वही दूसरी ओर हमारे दिमागी विकास मे लाभकारी है।इसी के साथ उन्होंने मैदान में खेल रही दोनों टीमो को बधाई दी।कथावाचक पँडित रमाकांत व्यास ने कहा कि खेल व्यायाम का सबसे अच्छा साधन माना जाता है खेल ही हमारे शरीर को हस्ट-पुस्ट,गतिशील एवं स्फूर्ति प्रदान करने मे सहायक होते है,साथ ही उन्होंने कहा कि खेल में कोई जीतता है तो कोई हारता एक अच्छा खिलाड़ी खेल भावना से अपने खेल का प्रदर्शन करता है उसको ना तो जीतने का मोह होता है और ना हारने पर दुख,क्योकि खेल भावना ही असली खिलाड़ी भावना है।

महाराष्ट्र व मलिक स्पोर्ट्स देल्ही के बीच हुआ मुकाबला-वहीं क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे दिन में पूल ए का दूसरा मैच महाराष्ट्र व मलिक स्पोर्ट्स देल्ही के बीच खेला गया।

मन्दिर निर्माण हेतु निधि समर्पण अभियान के चलते स्वयंसेवकों ने निकाली विशाल बाइक रैली

दबोह(अर्पित गुप्ता)

धूमधाम से मनाई गई स्वामी विवेकानंद जयंती

नगर दबोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवको द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस स्वामी विवेकानंद जयंती बड़े ही धूमधाम व हर्ष के साथ मनाई गई तथा अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर निर्माण हेतु निधि समर्पण अभियान के चलते नगर में विशाल बाइक चल समारोह भी निकाला गया।युवा दिवस व चल समारोह के चलते सभी स्वयंसेवक नगर के सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में एकत्रित हुए।इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद राघवेंद्र त्रिपाठी विभाग सह शारीरिक प्रमुख ने कहा कि बच्चों में आदर्श महापुरुष विवेकानंद जैसे डालें ताकि वह आगे बढ़कर समाज व राष्ट्रहित के कार्य करें।उनमें त्याग की भावना का विकास करें।वह एक महान व्यक्ति थे जिसने मानव जाति और राष्ट्र के उत्थान के लिए बड़े पैमाने पर काम किया था।उन्होंने कहा कि हमारी मातृभूमि पर स्वामी विवेकानंद को समकालीन भारत के महान संत और एक ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा जाता है जिसने राष्ट्रीय चेतना को नया आयाम दिया जो पहले निष्क्रिय थी।उन्होंने हिंदुओं को एक धर्म में विश्वास करना सिखाया जो लोगों को ताकत देता है और उन्हें एकजुट करता है।मानव जाति की सेवा को देवता के स्पष्ट अभिव्यक्ति के रूप में देखा जाता है और यह प्रार्थना का एक विशेष रूप है जिसे उन्होंने भारतीय लोगों से अपनाने के लिए कहा बजाए अनुष्ठानों और पुरानी मिथकों में विश्वास करने के। वास्तव में विभिन्न भारतीय राजनीतिक नेताओं ने स्वामी विवेकानंद की ओर अपनी ऋणात्मकता को खुले तौर पर स्वीकार किया है।वह मानव जाति के महान प्रेमी थे और उनके जीवन के अनुभव हमेशा लोगों को प्रेरित करते थे और मनुष्य की भावना प्राप्त करने की इच्छा को नवीनीकृत करते थे।मौजूद उत्तम कौरव जिला सह शारीरिक प्रमुख ने भगवान श्री राम पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भगवान श्री राम एक अच्छे पुत्र,पिता,पति तथा एक शासक थे इसलिए उन्हें श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा गया है।इन्ही के काज के लिए आज हम सभी लोग यहां पर एकत्रित हुए हैं।तदोपरांत वहां से दोपहर 02 बजे विशाल बाइक चल समारोह निकाला गया।यह चल समारोह सरस्वती शिशु मंदिर से शुरू होकर गणेश चौक,यादव गली,चौक मोहल्ला,चौधरी मोहल्ला,कजियाना मोहल्ला होते हुए मुख्य मार्ग कोंच रोड पहुंचा उसके बाद पुनः शिशु मन्दिर पहुंचकर विशाल बाइक चल समारोह का समापन हुआ।इस दौरान जितेंद्र सिंह कौरव खण्ड कार्यवाह व सैंकड़ो की संख्या में स्वयंसेवक बन्धु मौजूद रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर में हुआ युवा दिवस पर सूर्य नमस्कार-हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी राष्ट्रीय युवा दिवस पर सरस्वती शिशु मंदिर हाईस्कूल में स्वामी विवेकानंद जी की जयंती मनाई गई।जिसमे राष्ट्रीय युवा दिवस पर सूर्य नमस्कार किया गया।जिसमे सर्व प्रथम विद्यालय परिवार ने स्वामी विवेकानन्द जी के चित्र का पूजन और माल्यार्पण किया उसके बाद ध्वजा फहराया गया।इसी क्रम में विद्यालय की गुरुजनों ने सूर्य नमस्कार कर छात्र छात्राओं को दिखाया फिर सभी छात्र छात्राओं ने गुरुजनों के साथ मिलकर सूर्य नमस्कार किया।विद्यालय के गुरुजनों ने छात्र छात्राओं को बताया कि आज हम सब 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जी की जयंती मना रहे है और हमें भी स्वामी विवेकानंद जी के बताये हुए कदमो पर चलना चाहिए जिससे हम अपने भारत वर्ष के लिए कुछ कर पाए।उन्होंने कहा कि बच्चों के मानसिक विकाश के लिए बच्चो को महापुरुष के जीवन के वारे में बताना होगा जिससे सभी बच्चे अपने जीवन में उनकी स्मृतियां रखे और उन्ही की तरह समाज मे अपनी जगह स्वमं बनाये जिस तरह स्वामी विवेकानंद जी ने हमारे देश की पूरी दुनिया में एक अलग ही पहचान बनाई स्वामी जी आज करोड़ो युवाओ के आदर्श है।उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के जीवन से प्रेरणा लेकर हमें पढ़ना चाहिए वह बचपन से ही निर्भीक कुशाग्र बुद्धि वाले एवं आध्यात्मिकखोज करने वाले ऐसे व्यक्ति जो एक बार पढ़ने के बाद याद रखने वाले उनसे हमें भैया बहिनों को प्रेरणा लेना चाहिए।इस दौरान विद्यालय परिवार से पूरन आचार्य जी के साथ अन्य समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

| अश्विन-विहारी ने साढ़े तीन घंटे बैटिंग की, भारत का 40 साल में सबसे लंबी चौथी पारी खेलकर मैच बचाने का रिकॉर्ड |

आस्ट्रेलिया का सपना टूटा, सिडनी टेस्ट ड्रॉ

सिडनी ■ एजेंसी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सिडनी में खेला गया तीसरा टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुआ। पांचवें दिन चोट के बावजूद रविचंद्रन अश्विन और हनुमा विहारी ने करीब साढ़े 3 घंटे बल्लेबाजी की और मैच बचाया। मैच के दौरान विहारी हैम-स्ट्रिंग और अश्विन कमर की चोट से जूझ रहे थे। भारत ने 40 साल में टारगेट चेज करते हुए चौथी पारी में सबसे ज्यादा ओवर खेलकर मैच बचाने का रिकॉर्ड भी बनाया। ऑस्ट्रेलिया ने टीम इंडिया को 407 रन का टारगेट दिया। जवाब में 5वें दिन भारत ने दूसरी पारी में पांच विकेट गंवाकर 334 रन बनाए। दिन के खेल में एक ओवर बाकी रहते ऑस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन ने मैच ड्रॉ करने की घोषणा की। अश्विन 128 बॉल पर 39 रन और विहारी 161 बॉल पर 23 रन बनाकर नाबाद रहे। अश्विन और विहारी ने 259 गेंदों में 62* रन की नाबाद साझेदारी की। यह छठवें विकेट के लिए गेंद के हिसाब से भारत की तीसरी सबसे बड़ी पार्टनरशिप है।

तीसरा टेस्ट ड्रॉ होने के साथ ही सीरीज अभी भी 1-1 की बराबरी पर है। 15 जनवरी से ब्रिस्बेन में आखिरी टेस्ट खेला जाएगा। यह किसी भी एशियाई टीम द्वारा ऑस्ट्रेलिया में चौथी पारी में सबसे ज्यादा ओवर बल्लेबाजी करने का रिकॉर्ड भी है। इससे पहले भारत ने ही 2014/15 में सिडनी में 89.5 ओवर बल्लेबाजी की थी।

40 साल में चौथी पारी में सबसे ज्यादा ओवर खेले

टीम इंडिया ने 40 साल बाद टारगेट चेज करते हुए चौथी पारी में सबसे ज्यादा ओवर बल्लेबाजी की। इससे पहले 1979-80 में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 131 ओवर बल्लेबाजी कर मैच बचाया था। ओवरऑल भारत ने पांचवी बार सबसे ज्यादा बल्लेबाजी कर मैच बचाया। इंग्लैंड के खिलाफ 1979 में ओवल में भारत ने 150.5 ओवर बल्लेबाजी की थी, जो कि सबसे ज्यादा है।

पेन ने विहारी का कैच छोड़ा

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन ने आज तीन कैच छोड़े। 123वें ओवर में मिचेल स्टार्क की 5वीं बॉल पर पेन ने विहारी का कैच छोड़ दिया। गेंद विहारी के बल्ले का किनारा लेकर पेन तक गई, लेकिन वे इसे पकड़ नहीं पाए। उस वक्त विहारी 15 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे। इससे पहले भी पेन ऋषभ पंत के 2 कैच छोड़े थे। इंटरनेशनल क्रिकेट की बात करें तो ये रिकॉर्ड इंग्लैंड के जॉन मरे के नाम है। उन्होंने 1963 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 100 गेंद खेलने के बाद महज 3 रन बनाए थे। वहीं, न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेफ एलट 2011 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 101 गेंद खेलने के बाद खाता भी नहीं खोल सके थे।

विहारी-अश्विन को चोट लगी

हनुमा विहारी और अश्विन दोनों चोट से जूझते दिखे। 1 रन लेने की चक्कर में विहारी के हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया। इसके बाद वे दर्द से कराहते दिखे। फीजियो के स्प्रे छिड़कने के बाद उन्होंने बल्लेबाजी की। वहीं कमिंस की एक बॉल अश्विन के कमर में लगी। इसके बाद वे भी दर्द से जूझते दिखे। चेतेश्वर पुजारा 77 रन बनाकर आउट हुए। जोश हेजलवुड ने उन्हें क्लीन बोल्ड किया। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 6000 रन पूरे किए। पुजारा ने 80वें मैच की 134वीं पारी में यह उपलब्धि हासिल की। वे ऐसा करने वाले भारत के 11वें खिलाड़ी हैं। इसके साथ ही उन्होंने 26वीं फिफ्टी भी लगाई। पहली पारी में भी उन्होंने 50 रन बनाए थे। 2014 के बाद चौथी पारी में पुजारा का यह पहला अर्धशतक था।

एबॉट ने अश्विन का कैच ड्रॉप किया

भारतीय पारी के 101वें ओवर में कमिंस की बॉल पर सब्सटिट्यूट फील्डर सीन एबॉट ने अश्विन का कैच छोड़ दिया। वे उस वक्त 15 रन बनाकर खेल रहे थे। एबॉट को विल पुकोव्स्की की जगह मैदान पर भेजा गया। पुकोव्स्की फील्डिंग के दौरान कंधे में चोट लगा बैठे थे। इसके बाद स्कैन के लिए उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

पंत का ऑस्ट्रेलिया में बैटिंग एवरेज 56.88 का

पंत का ऑस्ट्रेलिया में बैटिंग एवरेज 56.88 का है। ऑस्ट्रेलिया में 200 से ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में पिछले 60 साल में पंत का बैटिंग एवरेज सबसे ज्यादा है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर उनकी बल्लेबाजी औसत 146 की है। 2018 में इसी ग्राउंड पर उन्होंने 159 रन की पारी खेली थी।

पंत को 2 जीवनदान मिले

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन ने पंत को 2 जीवनदान दिए। 40वें ओवर में नाथन लियोन की बॉल पंत के बल्ले का किनारा लेकर टिम पेन के पास गई, लेकिन वे कैच नहीं पकड़ सके। गेंद पेन के ग्लव्स में लगकर छूट गई। उस वक्त पंत 3 रन बनाकर खेल रहे थे। इसके बाद 60वें ओवर में पेन ने एक और कैच छोड़ा। इस बार भी गेंदबाज लियोन ही थे। गेंद पंत के बल्ले का किनारा लेकर पेन के पास गई, लेकिन उन्होंने कैच ड्रॉप कर दिया। उस वक्त पंत 56 रन बनाकर खेल रहे थे।

पांचवीं सबसे धीमी पारी

विहारी ने 161 गेंद पर 23 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 14.28 का रहा। पारी में सौ या उससे ज्यादा गेंद खेलने के बाद स्ट्राइक रेट के लिहाज से ये किसी भारतीय की पांचवीं सबसे धीमी पारी थी। इस लिस्ट में यशपाल शर्मा टॉप पर हैं। शर्मा ने 1981 में ऑस्ट्रेलिया के ही खिलाफ एडिलेड में 157 गेंद खेलकर 13 रन बनाए थे।

पंत ने लियोन की गेंद पर अटैकिंग खेल दिखाया

पंत ने भारत की दूसरी पारी में 48वें ओवर में नाथन लियोन की बॉल पर 1 चौका और 1 सिक्स लगाया। इसके बाद लियोन के अगले ओवर (50वें) में फिर उनकी बॉल पर 2 चौके जड़े। 57वें ओवर में भी लियोन की दो लगातार गेंदों पर 2 छक्के लगाए।

रहाणे के रूप में 5वें दिन पहला विकेट गिरा

पांचवें दिन भारत ने 2 विकेट पर 98 रन से आगे खेलना शुरू किया। लियोन ने कप्तान अजिंक्य रहाणे को आउट कर टीम इंडिया को दिन का पहला झटका दिया। वे 4 रन बनाकर आउट हुए। रोहित शर्मा और शुभमन गिल चौथे दिन ही आउट हो कर पवेलियन लौट गए थे।

ऋषभ पंत तीसरी बार नर्वस-90 में आउट

वही, ऋषभ पंत 97 रन बनाकर आउट हुए। नाथन लियोन ने उन्हें पैट कमिंस के हाथों कैच कराया। पंत तीसरी बार नर्वस-90 में आउट हुए। इससे पहले 2018 में राजकोट में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के 2 मैच में वे 92-92 रन बनाकर आउट हुए थे। उन्होंने पुजारा के साथ चौथे विकेट के लिए 148 रन की पार्टनरशिप की। यह टारगेट चेज करते हुए चौथे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले यह रिकॉर्ड विजय हजारी और रूसी मोदी के नाम था। इन दोनों ने 1948-49 में 139 रन की पार्टनरशिप की थी। चोट के बाद बैटिंग करने उतरे पंत पंत ने टेस्ट करियर की तीसरी फिफ्टी लगाई। उन्होंने 64 बॉल में अर्धशतक लगाया। वे ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट में टारगेट चेज करते हुए अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा विकेटकीपर बने। पंत को पहली पारी में बैटिंग के दौरान ही कोहनी में चोट लगी थी। इसके बावजूद वे बैटिंग करने उतरे थे।

न्यूज. ब्रीफ

डकार रैली विजेता ओरियल का निधन

पेरिस। डकार रैली जीतने वाले मोटरबाइक और कार के पहली प्रतिस्पर्धी फ्रांस के ह्यूबर्ट ओरियल का निधन हो गया है। ओरियल 68 वर्ष के थे। डकार रैली के अनुसार ओरियल का रविवार को निधन हुआ। ओरियल के निधन के कारणों का अभी खुलासा नहीं किया गया पर माना जा रहा है कि यह रेसर पिछले कई वर्षों से दिल की बीमारी से पीड़ित था। ओरियल ने उस समय पेरिस-डकार रैली के नाम से पहचानी जाने वाली रेस मोटरबाइक पर 1981 और 1983 में जीत दर्ज की जबकि 1992 में उन्होंने इसकी कार रेस जीती थी।

तेजस्विनी 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन के ट्रायल में विजेता

नयी दिल्ली। अनुभवी भारतीय निशानेबाज तेजस्विनी सावंत सोमवार को यहां डॉ कर्णी सिंह निशानेबाजी परिसर में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन ह्यटी 1ह्ल ट्रायल में पंजाब की अंजुम मौदगिल को पछाड़ते हुए विजेता बनी। ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली दो निशानेबाजों के मुकाबले में पूर्व विश्व चैम्पियन महाराष्ट्र की तेजस्विनी ने क्वालीफाइंग में 1171 अंक हासिल करने के बाद फाइनल में 458.7 अंक हासिल किये। क्वालीफाइंग में 1167 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं अंजुम फाइनल में 457.8 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। क्वालीफाइंग में आठवें स्थान पर रहने वाली हरियाणा की निश्चल फाइनल में अनुभवी लज्जा गोस्वामी को पछाड़ते हुए तीसरे स्थान पर रही।

बल्लेबाज विल पुकोवस्की के कंधे में लगी चोट, अगले मैच में खेलना संदिग्ध

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के नए बल्लेबाज विल पुकोवस्की के कंधे में सोमवार को भारत के खिलाफ ड्रॉ रहे तीसरे टेस्ट के दौरान चोट लग गई और उन्हें स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया है। पुकोवस्की के दाहिने कंधे में चोट लगी जब भारतीय पारी के 86वें ओवर में उन्होंने गेंद को डाइव लगाकर रोका। इसके बाद वह कुछ देर कंधा पकड़कर बैठ गए। ऑस्ट्रेलिया के बाकी खिलाड़ी उनकी मदद को आए और ओवर के आखिर में वह मैदान से चले गए। ऑस्ट्रेलियाई एसोसिएट प्रेस ने कहा, ह्यअभी पुकोवस्की की फिटनेस के बारे में कोई आधिकारिक अपडेट नहीं आया है।' टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले पुकोवस्की ने पहली पारी में 62 रन बनाए लेकिन दूसरी पारी में दस रन पर आउट हो गए। पिछले महीने अभ्यास मैच के दौरान वह कनकशन (सिर की चोट) का शिकार हो गए थे।

दिल्ली ने मुंबई को हराया

मुंबई। दिल्ली ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार शुरूआत करते हुए सोमवार को ग्रुप ई में मुंबई को 76 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली ने नीतिश राणा के 37 गेंद में 74 रन की मदद से चार विकेट पर 206 रन बनाये। इसके बाद बायें हाथ के तेज गेंदबाज प्रदीप सांगवान के तीन विकेट की बदौलत मुंबई को मात्र 130 रन पर आउट कर दिया। दिल्ली के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने 23 और हितेन दलाल ने 24 रन बनाये। दोनों ने पहले चार ओवर में 38 रन जोड़े। धवन हालांकि अच्छी शुरूआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सके। एक समय दिल्ली का स्कोर दो विकेट पर 56 रन था। हिम्मत सिंह (32 गेंद में 53 रन) और राणा ने हालांकि तीसरे विकेट के लिये 122 रन जोड़कर दिल्ली को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। राणा ने अपनी पारी में सात चौके और पांच छक्के लगाये जबकि सिंह ने तीन चौके और चार छक्के जड़े। मुंबई की आधी टीम 52 रन पर पवेलियन लौट गई। मुंबई के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (0), आदित्य तारे (3), सूर्यकुमार यादव (सात), सिद्धेश लाड (चार) और सरफराज खान (15) सस्ते में आउट हो गए।

हैरिस ने पहली बार जीता पीजीए खिताब

कपालुआ। हैरिस इंग्लिश ने सेंट्री टूर्नामेंट ऑफ चैंपियन्स गोल्फ प्रतियोगिता में जीत हासिल करने के साथ ही पीजीए टूर में अपना पहला खिताब जीता है। यह हैरिस का पिछले सात वर्षों में पहला खिताब है। हैरिस 18वें होल में 10 फुट से ईगल बनाने से रह गये जिसके कारण उन्हें जोकिम नीमैन के साथ प्लेऑफ खेलना पड़ा। उन्होंने 18वें होल में छह फुट से बर्डी बनाई और अंतिम दिन का उनका स्कोर चार अंडर 69 बना रहा। वहीं नीमैन ने अंतिम दौर में 64 का स्कोर बनाया पर प्लेऑफ में वह विफल रहे और 2013 के बाद यह पहली बार है जब पीजीए टूर में खिताब नहीं जीत पाये।

भारत -ऑस्ट्रेलिया चौथा टेस्ट:भारतीय टीम ब्रिस्बेन में खेलने पर राजी, मैच खत्म होने के बाद नहीं रुकेगी टीम

ब्रिस्बेन ■ एजेंसी

भारतीय टीम चार टेस्ट मैचों की अंतिम मैच ब्रिस्बेन में खेलने कुछ शर्तों के आधार पर राजी हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई नियमित शेड्यूल से चौथा टेस्ट मैच ब्रिस्बेन में खेलने के लिए तैयार है, लेकिन मैच खत्म होने के बाद टीम रुकेगी नहीं। जिस दिन मैच खत्म होगी, उसके अगले दिन ऑस्ट्रेलिया को टीम इंडिया के वापसी का इंतजाम करना होगा। क्रिकेट की एक वेबसाइट को बीसीसीआई के अधिकारी ने बताया है कि चौथा टेस्ट मैच ब्रिस्बेन में ही खेला जाएगा। भारतीय खिलाड़ी शेड्यूल के मुताबिक ही सिडनी से ब्रिस्बेन के लिए रवाना होंगे। टीम क्वारैंटाइन के नियमों का पालन करेगी। लेकिन मैच के खत्म होने के बाद टीम ब्रिस्बेन में नहीं रुकेगी। सूत्र ने

बताया कि ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड ने बीसीसीआई को लिखित में जवाब दिया है, जिसके बाद टीम ब्रिस्बेन जाने पर राजी हो गई है। दरअसल कुछ दिन पहले बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड को पत्र लिखा था कि ऑस्ट्रेलिया गई टीम इंडिया के प्लेयर्स सख्त कोरोना नियमों से तंग आ चुके हैं। उन्हें ब्रिस्बेन में कोरोना प्रोटोकॉल के सख्त नियम में ढील दें। ब्रिस्बेन ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड प्रांत में है। वहां के प्रोटोकॉल के मुताबिक, टीम के प्लेयर्स को क्वारैंटाइन के दौरान एक फ्लोर पर खिलाड़ियों से ही मिलने की इजाजत होगी। प्लेयर्स दूसरे फ्लोर पर नहीं जा सकते। मेडिकल टीम को भी एक फ्लोर से दूसरे फ्लोर पर जाने की इजाजत नहीं होगी। चार टेस्ट मैचों की सीरीज का तीसरा मैच सिडनी में खेला गया। पांचवें दिन भारतीय टीम मुकाबले को ड्रॉ कराने में सफल रही। वहीं सीरीज अभी भी 1-1 की बराबरी पर है। एडिलेड में खेले गए पहले टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम को 8 विकेट से हराया था। जबकि मेलबर्न में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को 8 विकेट से हराकर सीरीज को 1-1 से बराबर कर दिया था।

बबीता फोगाट बनी मां, बेटे को दिया जन्म

नईदिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय महिला कुश्ती खिलाड़ी बबीता फोगाट मां बन चुकी है। बबीता फोगाट ने बेटे को जन्म दिया है। बबीता ने सोशल मीडिया पर फोटो शेयर कर इसकी जानकारी अपने फैंस को दी है। इस फोटो में बबीता के साथ उनके पति विवेक भी दिखाई दे रहें हैं। बबीता ने इसके साथ लिखा कि हमारे बेटे से मिलो।

बबीता ने बेटे के साथ फोटो शेयर करते हुए लिखा कि हमारे बेटे से मिलो। इसके साथ उन्होंने लिखा कि सपनों में विश्वास किया करो, क्योंकि सपने सच होते हैं। हमारा सपना हमारे साथ नीले कपड़े पहने हुए है। बबीता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह अक्सर अपनी फोटो शेयर करती रहती हैं। प्रैग्नेंसी के दौरान भी बबीता फोगाट ने बेबी बंप के साथ फोटो शेयर की थी। उनकी इस फोटो पर लोगों ने उन्हें बधाईयां भी दी थी। गौर हो कि बबीता फोगाट ने 1 दिसंबर 2019 को विवेक सुहाग से शादी की थी। बबीता की शादी उनके ही पैतृक गांव बलाली में बेहद साधारण और पूरे रीति रिवाजों के साथ पूरी की गई। बबीता फोगाट कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियन गेम्स और अन्य कई

अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर देश का नाम रोशन कर चुकी हैं।

टोक्यो ओलंपिक को लेकर रैंकिंग ठीक करने पर रहेंगी बोपन्ना की नजरें

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना की नजरें अब टोक्यों ओलंपिक को देखते हुए अपनी रैंकिंग बेहतर करने पर है। बोपन्ना 31 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारियों के टूनार्मेंट में से एक में मेलबर्न में 2021 अभियान की शुरूआत करेंगे। वह साल के दो शुरूआती टूनार्मेंट में जोआओ सोसा के साथ जोड़ी बनायेंगे। घुटने की समस्या के कारण छह महीने तक टेनिस कोर्ट से बाहर रहने वाले बोपन्ना ने लॉकडाउन में अपनी फिटनेस पर ध्यान लगाया और अब वह नये सत्र में खेलने को तैयार हैं। दो दशक के पेशेवर अनुभव वाले बोपन्ना समय खराब नहीं करना चाहते। बोपन्ना ने कहा, हमें इसे ओलंपिक वर्ष के रूप में नहीं देख रहा हूं क्योंकि हम यह भी नहीं जानते हैं कि यह होने वाला है भी या नहीं। अभी यह वक्त हमारी व्यक्तिगत रैंकिंग पर ध्यान केंद्रित करने का है। यह क्वालीफाई करने का एकमात्र तरीका है। इसलिये एक समय में सिर्फ एक टूनार्मेंट पर ही ध्यान लगा होगा। ₹ बोपन्ना को घुटने की परेशानी के कारण छह महीने तक टेनिस कोर्ट से बाहर रहना पड़ा। बोपन्ना 39वें और दिविज शरण 63वें स्थान पर रहने वाले सिर्फ दो भारतीय खिलाड़ी हैं जो वर्तमान में युगल में शीर्ष -100 में शामिल है। लेकिन उनका संयुक्त रैंकिंग के साथ एक टीम के रूप में क्वालीफाई करना बाकी है और उनके पास तोक्यो के लिये सात जुलाई तक स्थान पक्का करने का मौका है। अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) के नियमों के अनुसार शीर्ष 10 युगल खिलाड़ी 32 टीम स्पर्धा के लिए अपने आप क्वालीफाई कर लेंगे।

मैरीलैंड में एनसीएए बास्केटबाल में भाग लेती हुई खिलाड़ी।

भेदभावपूर्ण हरकतों को सहन नहीं करेगें : जय शाह

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने ऑस्ट्रेलिया में भारतीय क्रिकेटरों पर हुई नस्लीय टिप्पणियों को लेकर सख्त प्रतिक्रिया दी है। बोर्ड सचिव ने कहा है कि किसी भी प्रकार की भेदभावपूर्ण हरकतों को सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि खेल और समाज में नस्लवाद के लिये कोई स्थान नहीं है। शाह ने कुछ दर्शकों द्वारा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह के लिये की गयी टिप्पणियों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इस मामले में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इन दर्शकों को बाद में स्टेडियम से बाहर कर दिया गया। शाह ने ट्वीट किया, ह्यहमारे इस खेल और हमारे समाज में नस्लवाद के लिये कोई स्थान नहीं है। मैंने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के अधिकारियों से बात की और उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। बीसीसीआई और क्रिकेट आस्ट्रेलिया दोनों इस मामले में एक साथ हैं। ऐसी भेदभावपूर्ण हरकतों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।'

टीसीएस के शेयरों ने 52 हफ्तों के शीर्ष स्तर छुआ, दूसरी आईटी कंपनियों के शेयर भी उछले

नई दिल्ली। सूचना प्रद्योगिकी की दिग्गज कंपनी टीसीएस का शेयर बाजार में प्राइम टाइम चल रहा है उसके प्राइस सोमवार को 3.5 फीसदी बढ़कर 3230 रुपए प्रति शेयर पर ट्रेड करने लगा। यह पिछले 52 हफ्तों के शीर्ष स्तर पर है। दिसंबर तिमाही के नतीजे उम्मीद से बेहतर रहने के कारण शेयरों में यह तेजी आई है। कंपनी के दिसंबर तिमाही के नतीजे अच्छे रहे हैं। इस दौरान कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट साल-दर-साल हिसाब से 7.17 फीसदी बढ़कर 8727 करोड़ रुपए पहुंच गया है। इससे पहले सितंबर तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 7504 करोड़ रुपए था। निफ्टी आईटी इंडेक्स भी बढ़कर 26,800 प्वाइंट पर पहुंच गया है। आईटी के दूसरे शेयर भी 52 हफ्ते का हाइएस्ट लेवल टच कर रहे हैं। इंफोसिस के शेयर भी बढ़कर 1365.95 रुपए पर ट्रेड कर रहे हैं जो इसका पिछले 52 हफ्तों का हाईएस्ट लेवल है। एचसीएल के शेयर 1029 रुपए प्रति शेयर, विप्रो 444.95 रुपए और माइंडट्री के शेयर 1764. 50 रुपए प्रति शेयर पर ट्रेड कर रहे हैं। वहीं टेक महिंद्रा के शेयर 1068.65 रुपए पर हैं। विप्रो ने शेयर बायबैक का ऐलान किया था जिसके बाद इसके शेयरों में भी 3.50 फीसदी की तेजी आई है। कंपनी का 9500 करोड़ रुपए का बायबैक ऑफर बंद होगा।

महंगाई महंगा होता कच्चा माल तथा खाद्य तेल की बढ़ती कीमतों ने किया मजबूर

जल्द बढ़ सकते हैं रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम

- डाबर, पारले और पतंजलि जैसी कंपनियों के मार्जिन और लागत पर असर
- बाजार की प्रतिस्पर्धा को देखते हुए भी तय हो सकती है उत्पादों की कीमतें

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आने वाले दिनों में उपभोक्ताओं को तेल, साबुन, दंतमंजन जैसे रोजमर्रा के उपयोग वाले सामान पर अधिक खर्च करना पड़ सकता है। इनका उत्पादन करने वाली कंपनियां कच्चे माल के दाम बढ़ने की वजह से अपने उत्पादों के दाम बढ़ाने पर विचार कर रहीं हैं। कुछ कंपनियों ने तो पहले ही दाम बढ़ा दिए हैं, जबकि कुछ अन्य मामले पर गौर कर रहीं हैं। रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली एफएमसीजी मैरिको तथा कुछ अन्य दाम बढ़ा चुकीं हैं, जबकि डाबर, पारले और पतंजलि जैसी कंपनियां स्थिति पर करीब से निगाह रखे हुए हैं। नारियल तेल, दूसरे खाद्य तेलों और पाम तेल जैसे कच्चे माल का दाम बढ़ने से एफएमसीजी कंपनियां पहले तो इस वृद्धि को खुद ही वहन करने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन वह लंबे समय तक अपने उत्पादों के दाम को स्थिर नहीं रख पाएंगी क्योंकि ऐसा करने से उनके सकल मार्जिन पर असर पड़ सकता है।

पारले प्राडक्ट्स के वरिष्ठ श्रेणी प्रमुख मयंक शाह ने कहा कि, 'पिछले तीन-चार माह के दौरान हमने खाद्य तेल जैसे सामान में

उल्लेखनीय वृद्धि को देखा है। इससे हमारे मार्जिन और लागत पर असर पड़ रहा है। यदि कच्चे माल में वृद्धि का क्रम जारी रहता है तो फिर हम दाम बढ़ाएंगे। यह वृद्धि सभी उत्पादों में होगी क्योंकि खाद्य तेल का इस्तेमाल सभी उत्पादों में होता है। यह वृद्धि कम से कम चार से पांच फीसदी की हो सकती है। डाबर इंडिया के मुख्य वित्तीय अधिकारी ललित मलिक ने कहा कि हाल के महीनों में कुछ खास सामानों जैसे कि आंवला और सोने के दाम में वृद्धि देखी गई है। आने वाले समय में हमें कुछ प्रमुख जिंसों में महंगाई बढ़ने की संभावना लगती है। हमारा प्रयास होगा कि कच्चे माल के दाम की वृद्धि को खुद ही वहन करें और केवल कुछ चुने मामलों में ही न्यायोचित मूल्य वृद्धि होगी। यह वृद्धि बाजार की प्रतिस्पर्धा को देखते हुए भी तय हो सकती है। हरिद्वार स्थित पतंजलि आयुर्वेद ने इस संदर्भ में कहा कि वह फिलहाल 'देखो और प्रतीक्षा करो' की स्थिति में है और अभी कोई निर्णय नहीं लिया है। हालांकि, कंपनी ने यह भी संकेत दिया कि वह भी उसी दिशा में आगे बढ़ रही है। पतंजलि के प्रवक्ता एसके तिजारावाला ने कहा कि बाजार परिस्थितियां यदि मजबूर करतीं हैं तो हम उस पर अंतिम निर्णय लेंगे।' सफोला और पैराशूट नारियल तेल जैसे ब्रांड बनाने वाली मैरिको ने कहा कि उस पर महंगाई का दबाव है, इसलिए प्रभावी मूल्य वृद्धि का कदम उठाना पड़ा।

ग्वालियर में लगा वृहद रोजगार मेला

1355 युवाओं का नौकरी व कौशल उन्नयन के लिए हुआ चयन, जानी-मानी लगभग 30 कंपनियाँ आईं थीं भर्ती करने

ग्वालियर। जिला प्रशासन द्वारा रोजगार कार्यालय (मॉडल कैरियर सेंटर) के सहयोग से मंगलवार को महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में जिला स्तरीय वृहद रोजगार मेला लगाया गया। रोजगार मेले में 1355 अभ्यर्थियों का नौकरी व कौशल उन्नयन के लिये विभिन्न कंपनियों द्वारा चयन किया गया। इनमें 1175 युवा नौकरी के लिये और 180 युवा कौशल उन्नयन के लिये चयनित किए गए हैं। रोजगार मेले में युवाओं की भर्ती के लिये लगभग 30 कंपनियाँ आई थीं।

कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन एवं कन्या पूजन कर रोजगार मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने रोजगार मेले में नौकरी की आस लेकर आए युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपना मनोबल ऊँचा रखकर कड़ी मेहनत करें। यह जज्बा आप सबकी तरक्की में मददगार साबित होगा। उन्होंने सभी अभ्यर्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनायें दीं। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, उप संचालक जिला रोजगार कार्यालय श्रीमती प्रियंका कुलश्रेष्ठ, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. विजय दुबे, संयुक्त संचालक कौशल विकास श्री डी वाय गंगाजली, आईटीआई के प्रधानाचार्य श्री सी एल कटारे सहित विभिन्न कंपनियों के अधिकारी व अभ्यर्थी मौजूद थे।

उप संचालक जिला रोजगार कार्यालय श्रीमती प्रियंका कुलश्रेष्ठ ने बताया कि रोजगार मेले में कुल 1629 आवेदकों ने पंजीयन कराया था। इनमें से 1175 आवेदकों को निजी क्षेत्र की 21 कंपनियों ने नौकरी के लिये चयनित किया है। साथ ही 121 आवेदक कौशल विकास प्रशिक्षण के लिये चयनित किए गए हैं। नौकरी के लिये प्राथमिक रूप से चयनित युवाओं को खासतौर पर ट्रेनी, कस्टमर केयर, एक्ज्यूकेटिव रिलेशनशिप, सुरक्षागार्ड तथा अन्य एक्यूकेटिव पदों के लिये शॉर्ट लिस्ट किया गया है।

रोजगार मेले में इन कंपनियों में की भर्ती–उप संचालक जिला रोजगार कार्यालय श्रीमती प्रियंका कुलश्रेष्ठ ने बताया कि ब्रिटानिया कंपनी कक्ष गुजरात, जमुना ऑटो, जी फोर एस सिक्योर सॉल्यूशन नई दिल्ली, गिन्नी फ्लामेंट मथुरा, मंगाराम फूड प्रा.लि. ग्वालियर, बजाज लाईफ इंश्योरेंस ग्वालियर, दुग्ध संघ ग्वालियर, सुजुकी मोटर्स, अहेड लिमिटेड, जोमेटो, जस्ट डायल लिमिटेड, भारत फायनेंस इन्क्लूशिव लिमिटेड, आईसेक्ट, काव्या इंटर प्राइजेज, भारत सोल्यूशन, महिन्द्रा स्किल, दुराज एयरटेल, एसबीआई लाईफ इंश्योरेंस व क्रेडिट कार्ड, यशस्वी ग्रुप, शिवशक्ति बायो टेक्नोलॉजी इंदौर, ग्रो फास्ट ऑरगेनिक डायमंड प्रा.लि. सागर, नव भारत फर्टिलाइजर लिमिटेड भोपाल, एसजी मोटर्स, घासीराम बैजनाथ एण्ड कंपनी, सुमेधा व्हीकल्स, सुप्रीम इंडस्ट्रीज मालनपुर, मोन्टेज इंडस्ट्रीज प्रा.लि. मालनपुर, इंगल सिक्यूरिटी सर्विस शिवपुरी, स्टार हैल्थ इंश्योरेंस ग्वालियर एवं एलआईसी इत्यादि कंपनी रोजगार मेले में आईं थीं।

एक नजर...

शहर की 14 पैथोलॉजी लैब-कलेक्शन सेंटर के पंजीयन व लायसेंस निरस्त

समय-सीमा में पंजीयन नहीं कराने पर हुई कार्रवाई

ग्वालियर। ग्वालियर शहर में संचालित 14 निजी पैथोलॉजी - कलेक्शन सेंटरों के पंजीयन व लायसेंस निरस्त कर दिए गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा द्वारा यह कार्रवाई की गई है। इन पैथोलॉजी लैब एवं कलेक्शन सेंटर के संचालकों द्वारा निर्धारित तिथि गत 31 मार्च 2020 तक अपने पंजीयन व लायसेंस का नवीनीकरण नहीं कराया गया है। ज्ञात हो निजी पैथोलॉजी एवं कलेक्शन सेंटर संचालित करने के लिये मध्यप्रदेश उपचर्या गृह तथा रूजोपचार संबंधी स्थापनायें (रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन) अधिनियम 1973 तथा अन्य नियमों के तहत पंजीयन कराकर लायसेंस प्राप्त करना अनिवार्य है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के मुताबिक जिन पैथोलॉजी एवं कलेक्शन सेंटर के पंजीयन एवं लायसेंस निरस्त हो चुके हैं, उनमें एवन पैथोलॉजी लैब मयूर मार्केट, थायरोकेयर कलेक्शन सेंटर विशाल प्लाजा, एस्सर लैब (कलेक्शन सेंटर) ललितपुर कॉलोनी, ग्वालियर डायग्नोस्टिक एसआरएल कलेक्शन सेंटर बलवंत नगर, न्यू ग्वालियर डायग्नोस्टिक सेंटर प्रगति नगर शब्दप्रताप आश्रम, एपेक्स पैथोलॉजी लैब कलेक्शन सेंटर जवाहर कॉलोनी, डॉ. लाल पैथ लैब कलेक्शन सेंटर विनयनगर तिराहा, ओम डायग्नोस्टिक कलेक्शन सेंटर निम्बालकर की गोठ, डॉ. लाल पैथ लैब कलेक्शन सेंटर एम के प्लाजा राजपायगा रोड़, आइडियल डायग्नोसस आरएलए कलेक्शन सेंटर शिंदे की छावनी, डॉ. लाल पैथ लैब कलेक्शन सेंटर पिंटो पार्क तिराहा, ओम डायग्नोस्टिक हॉस्पिटल रोड़ एवं सोफिया होम्योपैथिक मेडीकल कॉलेज एवं रिसर्च इंस्टीट्यूट की पैथोलॉजी, एक्सरे व अल्ट्रासाउण्ड सेंटर शामिल हैं।

जिलेवासियों से अपील अवैध शराब की जानकारी मिले तो कंट्रोल रूम में जरूर बताएँ

ग्वालियर। जिलेवासियों से अवैध शराब की खरीदी-बिक्री की रोकथाम में सहयोग करने की अपील की गई है। सहायक आयुक्त आबकारी द्वारा जिलेवासियों से आग्रह किया गया है कि जिले में कहीं भी यदि अवैध रूप से शराब की खरीदी-बिक्री की जानकारी मिले तो उसकी सूचना आबकारी विभाग के नियंत्रण कक्ष में जरूर दें। सहायक आबकारी आयुक्त कार्यालय में स्थित नियंत्रण कक्ष का टेलीफोन नम्बर 0751-2457220 है। बीते दिनों मुरैना जिले तथा उज्जैन जिले में अवैध जहरीली शराब पीने से हुई दुखद घटनाओं को ध्यान में रखकर आबकारी विभाग द्वारा ग्वालियर जिले में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। विभागीय अमले को अवैध शराब की खरीदी-बिक्री को कड़ाई से रोकने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही मदिरा उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि वे शासकीय मदिरा दुकानों से ही शराब खरीदें। बाहर से खरीदी गई शराब जहरीली हो सकती है, जिससे जनहानि भी संभव है। इस प्रकार की अप्रिय घटनाओं को रोकने में जिलेवासियों से सहयोग मांगा गया है।

उचित मूल्य की दुकान से उपभोक्ताओं को ऑनलाइन पावती देना अनिवार्य

ग्वालियर। जिले में स्थित समस्त शासकीय उचित मूल्य की दुकानों के संचालकों को साफतौर पर ताकीद किया गया है कि सभी पात्र परिवारों को राशन देने के साथ-साथ उन्हें सामग्री की ऑनलाइन पावती भी अनिवार्यतः दी जाए। अन्यथा संबंधित उचित मूल्य की दुकान के विक्रेता के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। ज्ञात हो पीओएस मशीन से निकलने वाली पावती पर सामग्री की मात्रा एवं दर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होती है। जिला आपूर्ति नियंत्रक ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत चयनित परिवारों को राशन उपलब्ध कराने के लिये जिले में शासकीय उचित मूल्य की 555 दुकानें संचालित हैं। इन दुकानों से पात्र परिवारों को खाद्यान्न का वितरण पीओएस मशीन के माध्यम से किया जाता है। इस मशीन से सामग्री प्रदान करने वाले उपभोक्ता के लिये पावती स्वतः जनरेट होती है। ऐसी शिकायतें मिली थीं कि कुछ दुकानदारों द्वारा उपभोक्ताओं को पीओएस से निकलने वाली पावती नहीं दी जा रही है। जिसे गंभीरता से लिया गया है और सभी उचित मूल्य की दुकानों के लिये स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं।

जहरीली शराब दुर्घटना में दोषी व्यक्तियों के खिलाफ की जाएगी कड़ी कार्रवाई - मुख्यमंत्री श्री चौहान

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मुरैना में जहरीली शराब दुर्घटना अत्यंत दुःखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। दुर्घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं। कमिश्नर ग्वालियर-चंबल ने जांच दल बनाया है, जिसने जांच प्रारंभ कर दी है। जो भी व्यक्ति दोषी होंगे, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि घटना में प्रथमदृष्टया सुपरविजन के लापरवाही पाए जाने पर, जिला आबकारी अधिकारी मुरैना को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया है।

जनप्रतिनिधियों ने कहा हम सब सम्मान अभियान में बढ़-चढ़कर करेंगे सहयोग

सांसद श्री शेजवलकर की अध्यक्षता में हुई जनप्रतिनिधियों एवं, वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त बैठक में आए उपयोगी सुझाव

ग्वालियर। जिले में समाज की सक्रिय भागीदारी के साथ सम्मान अभियान चलाया जा रहा है। अभियान को प्रभावी बनाने के लिये जनप्रतिनिधियों के सुझाव भी लिए जा रहे हैं। इस कड़ी में सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर की अध्यक्षता में मंगलवार को जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त बैठक हुई। जिसमें सभी जनप्रतिनिधियों ने सम्मान अभियान के लिये उपयोगी सुझाव दिए। साथ ही भरोसा दिलाया कि इस पुनीत अभियान में हम सब बढ़-चढ़कर सहयोग करेंगे। ज्ञात हो महिला अपराध उन्मूलन में समाज की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा ÷सम्मान÷ अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत महिलाओं के प्रति सम्मान व जागरूकता से संबंधित विभिन्न गतिविधियां आयोजित हो रही हैं।

कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में जिला पंचायत की प्रशासकीय समिति की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा भुजवल सिंह यादव, पूर्व मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, पूर्व विधायकगण सर्वश्री रमेश अग्रवाल, रामबरन सिंह गुर्जर व श्री मदन कुशवाह तथा श्री कौशल शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगणों ने हिस्सा लिया। बैठक में कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी, नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा एवं कार्यक्रम अधिकारी महिला-बाल विकास श्री राजीव सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने बैठक में सुझाव दिया कि शहर में ऐसे ऑटो रिक्शा की अनुमति दें जिनका संचालन केवल महिलाओं द्वारा किया जाए। उन्होंने कहा शहर में विशेषकर महिलाओं के लिये अलग से टॉयलेट (शौचालय) बनवाए जाएँ। उन्होंने कहा शहर के कुछ चौराहों की ट्रैफिक व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी भी महिलाओं को दी जाए। जिला पंचायत प्रशासकीय समिति की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा यादव ने कहा कि पान इत्यादि की दुकानों पर अनावश्यक भीड़ जमा होने की प्रवृत्ति को रोका जाए। इसी तरह अन्य जनप्रतिनिधियों ने सुझाव दिए कि समाज में महिलाओं के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्माण के लिये विभिन्न बाजारों के व्यवसायी संघ, ऑटो रिक्शा यूनियन, शहर के रहवासी संगठन सहित समाज के अन्य संगठनों का सहयोग लिया जाए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बैठक में जानकारी दी कि सम्मान अभियान के तहत महिलाओं के प्रति लोगों की मानसिकता में सकारात्मक बदलाव के लिये प्रयास किए जायेंगे।

उद्योगों से जो कमिटमेंट किये है उन्हें पूरा किया जाएगा

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह कहा है कि प्रदेश में उद्योगों का संवर्धन तथा उनके माध्यम से अधिक से अधिक रोजगार सृजन हमारी नीति है। प्रदेश में उद्योगों को सभी आवश्यक सुविधाएं एवं रियायतें दी जा रही हैं। प्रदेश में उद्योग स्थापना के समय उद्योगों से जो कमिटमेंट किए गए थे उन्हें पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मंत्रालय में उद्योग प्रोत्साहन समिति की बैठक ले रहे थे। बैठक में औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री श्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सकलेचा, वाणिज्यकर मंत्री श्री जगदीश देवड़ा, चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री प्रभुराम चौधरी, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

उद्योगों को विभिन्न प्रोत्साहन–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में उद्योगों को सरकार द्वारा निवेश प्रोत्साहन सहायता, रियायती दर पर भूमि, विद्युत दर में छूट, अधोसंरचना सुविधा आदि उपलब्ध कराये जाते हैं।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को प्राथमिकता–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण तथा प्रदेश में मिलने वाले कच्चे माल की प्रोसेसिंग करने वाले उद्योगों को प्राथमिकता दी जा रही है।

शराब पीने से 12 लोगों की हुई मृत्यु

मुरैना। मुरैना जिले के जौरा विकासखण्ड के बागचीनी थाना क्षेत्र के मानपुर, छैरा और सुमावली के पहावली के लोगों द्वारा शराब पीने से हुई उनकी मृत्यु की घटना को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चैहान ने संपूर्ण घटना की जांच के निर्देश दिये है। उन्होंने कहा कि जहरीली शराब की दुर्घटना अत्यन्त दुखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। ग्वालियर-चंबल संभाग के कमिश्नर ने जांच दल बनाया है, जिसने जांच प्रारंभ कर दी है। जो भी व्यक्ति दोषी होंगे उनके विरूद्ध कठोर कार्रवाही होगी। घटना को लेकर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चैहान ने मुरैना जिले के प्रभारी आबकारी अधिकारी जावेद खांन को पृथमदृष्टया सुपरविजन के लापरवाही पाये जाने पर तत्काल निलंबित करने के निर्देश दिये है। गृह मंत्री श्री नरोत्तम मिश्रा ने बागचीनी क्षेत्र के थाना प्रभारी अविनाश सिंह राठौर, छौरा सहित आसपास गांव के वीट सब इंस्पेक्टर राजेश कुमार गर्ग और आरक्षक रामवरन सिंह को निलंबित करने के निर्देश दिये है। पुलिस महानिरीक्षक श्री मनोज शर्मा ने बताया कि इन तीनों पुलिसकर्मियों को निलंबित किया जा चुका है। कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा ने बताया कि शराब पीने से 12 लोंगो की हुई मृत्यु पर उनके परिजनों को जिला प्रशासन ने रेडक्रॉस सोसायटी से 10-10 हजार रूपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। मृतकों में मानपुर बागचीनी निवासी 55 वर्षीय ध्रुव सिंह पुत्र महाराज सिंह, मानपुर बागचीनी निवासी 32 वर्षीय रामकुमार पुत्र छोटे किरार, मानपुर बागचीनी निवासी 45 वर्षीय धर्मेन्द्र पुत्र रामजीलाल, मानपुर बागचीनी निवासी 40 वर्षीय दिलीप पुत्र रामचन्द्र शाक्य, मानपुर बागचीनी निवासी 35 वर्षीय जितेन्द्र जाटव पुत्र पातीराम, पहावली निवासी 27 वर्षीय बंटी पुत्र पंजाब सिंह गुर्जर, बिलैया का पुरा निवासी 40 वर्षीय अमर सिंह पुत्र वृद्धराम जाटव, मानपुर निवासी 55 वर्षीय मुकुट राठौर पुत्र ऊधव राठौर, पहावली निवासी 30 वर्षीय रामनिवास पुत्र सिद्धार्थ गुर्जर, पहावली निवासी 43 वर्षीय जितेन्द्र पुत्र पंजाब सिंह गुर्जर, मानपुर बागचीनी निवासी 50 वर्षीय केदार पुत्र हुकुम सिंह जाटव और मानपुर बागचीनी निवासी 47 वर्षीय सरनाम किरार पुत्र अमर सिंह किरार है।

नेहरू युवा केन्द्र ने राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया स्वामी विवेकानंद जी का जन्मदिन

ग्वालियर। स्वामी विवेकानंद जी के जन्मोत्सव को ग्वालियर जिले में भी राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर नेहरू युवा केन्द्र के तत्वावधान में युवा सप्ताह का शुभारंभ हुआ। यह सप्ताह 19 जनवरी तक चलेगा। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर नेहरू युवा केन्द्र की जिला युवा अधिकारी सुश्री नेहा जादौन ने कहा कि जिले के युवा भी स्वामी विवेकानंद के मार्ग पर चलने का प्रयास कर अच्छे समाज एवं राष्ट्र निर्माण में सहयोगी बनें। इस अवसर पर नेहरू युवा केन्द्र से जुड़े वरिष्ठ युवा श्री करन सिंह तथा एपीए श्री तुषार वर्मा व श्री राहुल शर्मा सहित नेहरू युवा केन्द्र के अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, पिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निगर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, पिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478